राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 19 जून 2025 वर्ष-8,अंक-120 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग

-निजी गाडियां 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगी, 15 अगस्त से लागू होगा फास्टैग का नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने घोषणा की है कि अब फास्टैग के लिए सालाना पास का ऑप्शन भी मिलेगा। इसकी कीमत 3,000 रूपए होगी। 15 अगस्त से ये पास मिलने लगेगा। अभी केवल मंथली पास और जरूरत के हिसाब से रिचार्ज की सुविधा मिलती है। सरकार का दावा है कि इससे देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी और पेमेंट करना भी आसान हो जाएगा। ये पास नॉन कॉमर्शियल प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप, वैन के लिए है और एक साल तक या 200 ट्रिप्स तक चलेगा।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग के नए नियम का एलान किया है। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने आगे लिखा कि वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और एनएचएआई या मोर्थ की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी।

टोल भुगतान को सहज बनाने की कवायद

उन्होंने लिखा कि यह नीति 60 किलोमीटर की सीमा के भीतर स्थित टोल प्लाजा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को संबोधित करती है और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी।

तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय मंत्री ने यह भी लिखा कि प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, वार्षिक पास नीति लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।

सेना प्रमुख और पूर्व सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की बारिकीयों पर सैन्य नेतृत्व के साथ गहन विचार विमर्श के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ कई पूर्व सेना प्रमुखों ने बुधवार को तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात की। राष्ट्रपति से मिलने वालों में जनरल वी पी मलिक, जनरल एन सी विज, जनरल जे जे सिंह, जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुखों ने मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित 'चीफ्स चिंतन' सम्मेलन में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटे सैन्य नेतृत्व के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की थी। पूर्व सेना प्रमुखों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सैन्य नेतृत्व के साथ कुछ सिफारिशें और सलाह भी साझा की थी।

महिलाओं को सशक्त बना रही कांग्रेस: लांबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की महिला अध्यक्ष अलका लांबा ने बुधवार को कहा कि उनकी देश में महिलाओं को सशक्त बनाने का काम कर रही है जबकि बिहार की डबल इंजन सरकार सिर्फ खोखले वादे कर रही है। श्रीमती अलका लांबा ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा,'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान 'नारी न्याय' पर बात हुई, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक न्याय पर चर्चा हुई। जब हम आर्थिक, राजनीतिक न्याय की बात करते हैं, तब बिहार की हालत सामने आ जाती है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे भी बिहार की इस स्थिति से अनजान है। भारत सरकार द्वारा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है।' उन्होंने कहा, 'आज भारत में 40 करोड़ वह महिलाएं हैं जिनकी उम्र 11 वर्ष से 49 वर्ष के बीच है। यह सभी पीरियड के दौरान पैड उपयोग करती हैं। ऐसे में हमें हर महीने 400 करोड़ सैनिटरी पैड की जरूरत है, लेकिन बिहार में 80 प्रतिशत बच्चियों को पैड नहीं मिलता है। बिहार के हर स्कूल में सेनेटरी मशीन लगनी थी, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि 40 हजार स्कूलों में से मात्र 350 स्कूलों में सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद बिहार सरकाक सभी स्कूलों में सैनिटरी पैड की व्यवस्था नहीं कर पाई है।' श्रीमती लांबा ने कहा,'जो काम बिहार सरकार को करना था, वह नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस ने 'प्रियदर्शिनी उड़ान योजना' के तहत किया है। महिला कांग्रेस ने शुरुआती तौर पर देश में तीन जगह- बेगूसराय, वैशाली और दिल्ली में सेनेटरी वेंडिंग मशीन लगाई। इन मशीनों के जरिए 50 महिलाओं को रोजगार दिया है। हम राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर कल बिहार में 25 हजार महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित करेंगे।' '

एनकाउंटर: हार्डकोर नक्सली उदय और अरुणा ढेर, अंजू भी मारी गई

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में हुई मुठभेड़ में कई बड़े नक्सली ढेर हुए हैं। यह मुठभेड़ किंतुकुरु गांव के पास मरेडुमिल्ली और रामपचौड़वरम क्षेत्रों के बीच हुई। सुरक्षाबलों ने 16 माओवादियों के एक समूह को देखा। लगभग 25 मिनट की गोलीबारी के बाद तीन शव बरामद किए गए। उनकी पहचान उदय, अरुणा और अंजू के रूप में हुई है। आलुरी सीताराम राजू जिला में आंध्र-ओडिशा सीमा विशेष जोनल समिति (एओबीएसजेडसी) को बड़ा झटका लगा है। माओवादी संगठन के केंद्रीय समिति सदस्य और एओबीएसजेडसी सचिव गजरला रवि उर्फ उदय के साथ-साथ पूर्वी डिवीजन सचिव रवि वेन्का चैतन्य उर्फ अरुणा मारे गए। एक अन्य महिला नक्सली अंजू भी मारी गई है।

गजरला रवि ऊर्फ उदय की उम्र 62 वर्ष थी। वह तेलंगाना के वरंगल जिले के वेलिसाला गांव का निवासी था। 1980 के दशक में पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) में शामिल हुआ और रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) का नेता रहा। तेलंगाना में पीडब्ल्यूजी को झटके लगने के बाद उसे आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र में भेजा गया। वह 2004-05 में वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार से शांति वार्ता के लिए आने वाले पीडब्ल्यूजी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा था। उसका पूरा परिवार उग्रवाद से जुड़ा रहा है। पत्नी जमीला, बड़ा भाई आजाद, भाभी सभी मुठभेड़ों में मारे गए। छोटा भाई आइतू आत्मसमर्पण कर चुका है।

अरुणा मूलत: विशाखापत्तनम जिले के पेंडुर्थी मंडल के करकवानीपालेम गांव की रहने वाली थी। लगभग 25 साल पहले माओवादी आंदोलन में शामिल हुई थी। वह माओवादी केंद्रीय समिति के नेता प्रतापरेड्डी रामचंद्र रेड्डी उर्फ चलापति की पत्नी थी। हाल में दंडकारण्य क्षेत्र में उसके पति की मुठभेड़ में मौत हुई थी। उसका भाई आजाद गलीकोंडा एरिया कमांडर था। 2015 में कोय्यूर मंडल में मारा गया था। सूत्रों के अनुसार, अरुणा हाल के दिनों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी।

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी-ट्रम्प की फोन पर 35 मिनट बात

पीएम बोले- भारत ने ना मध्यस्थता स्वीकारी थी, ना स्वीकारेंगे, सीजफायर पाकिस्तान के कहने पर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा।

साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति समर्थन जताया।

भारत ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया

मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल

के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे।

पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की थी

विदेश सचिव मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा। 9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा।

कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत-पाक के बीच हुई थी

विदेश सचिव ने बताया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को स्पष्ट रूप से कहा था कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की तरफ से भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच दोनों सेनाओं के एग्जिस्टिंग चैनल्स (मौजूदा अफसरों) के माध्यम से हुई थी और पाकिस्तान के आग्रह पर ही हुई थी।

मोदी-ट्रम्प जल्द मिलने की कोशिश करेंगे

विदेश सचिव ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी से पूछा कि क्या आप कनाडा से वापसी में अमेरिका रुककर जा सकते हैं? पहले से तय कार्यक्रमों के कारण पीएम मोदी ने इससे असमर्थता जताई। दोनों लीडर्स ने तब तय किया कि वे निकट भविष्य में मिलने का प्रयास करें।

क्वाड की बैठक में भारत आएंगे ट्रंप

विक्रम मिसरी ने अंत में बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प और पीएम मोदी ने इजराइल-ईरान में चल रहे संघर्ष पर भी चर्चा की। रूस-यूक्रेन जंग पर दोनों ने सहमति जताई कि जल्द से जल्द शांति के लिए दोनों पक्षों में सीधी बातचीत जरूरी है और इसके लिए प्रयास करते रहना चाहिए। क्वाड की अगली बैठक के लिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को भारत यात्रा का न्योता दिया। राष्ट्रपति ट्रम्प ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

भारत और कनाडा के बीच बनी सहमति, अब होगा संबंधों में सुधार

ओटावा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनानास्किस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मार्क कार्नी से मुलाकात की है। इस मीटिंग के बाद कई अहम फैसलों पर सहमति बनी है। भारत और कनाडा ने राजनयिक संबंधों को दोबारा बहाल करने और नए उच्चायुक्त नियुक्त करने पर सहमति जताई है। अब उम्मीद की जा रही है कि भारत और कनाडा के बीच रिश्ते बेहतर होंगे और दोनों देश इसी दिशा में काम करेंगे। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने दोनों देशों के नागरिकों के लिए राजनयिक सेवाओं को सामान्य करने और पिछले साल निष्कासन के बाद से खाली पड़े प्रमुख राजनयिक पदों पर नई नियुक्तियों के साथ आगे बढ़ने पर सहमति जताई गई है।वहीं इस बैठक के बाद पीएम मोदी ने जी7 समिट के सफल आयोजन के लिए मार्क कार्नी और कनाडा को बधाई दी है। पीएम मोदी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ शानदार बैठक हुई।

जी-7 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए उन्हें और कनाडा सरकार को बधाई दी। उन्होंने आगे लिखा, भारत और कनाडा लोकतंत्र और कानून के शासन में दृढ़ विश्वास से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्नी और मैं भारत-कनाडा संबंधों को गति देने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। बता दें बीते कई महीनों से कनाडा के भारत संग रिश्ते निचले स्तर पर पहुंच गए थे। ऐसे में राजनयिकों और उच्चायुक्तों की नियुक्ति संबंधों को बेहतर करने की दिशा में एक अहम कदम है। जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कार्नी के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री की ओर से इन फैसलों की घोषणा की गई। बता दें कि कनाडा की सरकार ने बिना किसी सबूत के भारतीय अधिकारियों पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद 2023 में कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों और वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को निष्कासित कर दिया था। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए जवाबी कार्रवाई में कनाडा के उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था।

देश को मिला पहला शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला

* भारत की बढ़ेगी समुद्री ताकत, यह युद्धपोत आत्मनिर्भरता का प्रतीक

* महाराष्ट्र के किले के नाम पर रखा है इसका नाम

विशाखापट्टनम। देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला का बुधवार को कमीशन हुआ। इसे विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया गया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सीडीएस जनरल अनिल चौहान इस अवसर पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर इस आईएनएस का नाम रखा गया है। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की दमदार मौजूदगी के लिए डिजाइन

किया गया है। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और डिएक्टिवेट करेगा। अर्णाला को 8 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। आज की कमीशनिंग सेरेमनी 16 एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कैटेगरी के जहाजों में से पहले जहाज को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल करने का प्रतीक रही।

मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता और मेसर्स एलएंडटभ् शिपबिल्डर्स के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत डिजाइन किया गया अर्णाला डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर भारत की सफलता का प्रमाण है।

महाराष्ट्र में स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भाषा पर विवाद के बीच राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य में कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य होगी। आज बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर आदेश जारी किया है।

सरकार ने साफ किया कि हिंदी तृतीय भाषा के रूप में सामान्य रूप से अध्ययन के लिए लागू की जाएगी। सरकार ने आदेश में कहा, ÷सभी माध्यमों के स्कूलों में मराठी अनिवार्य भाषा होगी। इस कार्यान्वयन की सभी व्यवस्थाएं शिक्षा विभाग की तरफ से की जाएंगी। मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के लिए हिंदी अब से तीसरी भाषा होगी।÷

हालांकि, यदि ये छात्र हिंदी के

बजाय किसी अन्य भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उन छात्रों को उस भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की अनुमति दी जाएगी। स्कूल में छात्र हिंदी के बजाय अन्य भाषाओं को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हैं, तो उनकी कक्षा में कम से कम संख्या 20 होनी चाहिए। यदि कम से कम 20 छात्र हिंदी के बजाय अन्य तीसरी भाषाएं पढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उस भाषा को पढ़ाने के लिए एक शिक्षक प्रदान किया जाएगा, अन्यथा उक्त भाषा को ऑनलाइन पढ़ाया जाएगा।

आदेश में कहा गया है, ÷राज्य स्तर पर इसे तुरंत लागू किया जाएगा। मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में, अन्य माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 के लिए तीन भाषाओं, अर्थात् माध्यम भाषा, मराठी और अंग्रेजी का अध्ययन किया जाएगा।

ईरान इजरायल युद्ध लंबा खिंचा तो पूरी दुनिया की जेब होने लगेगी ढीली

नई दिल्ली (एजेंसी)। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों ने चेतावनी दी है कि अगर यह संघर्ष और गहराया तो रोजमर्रा की वस्तुएं महंगे हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अगर वेस्ट एशिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है, तो इनपुट और पैकेजिंग की लागत में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। पेट्रोलियम उत्पाद खाद्य सामग्री के कच्चे माल में 20-25 प्रतिशत और पेंट में 40 प्रतिशत तक उपयोग होते हैं। ये डिटर्जेंट, पेंट और पैकेजिंग में सीधे इस्तेमाल होते हैं। ईरान और इज़राइल के बीच चल रहेयुद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। जो कुछ महीने पहले तीन साल के निचले स्तर पर थी, अब बढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो पिछले महीने से 15 प्रतिशत ज्यादा है। कच्?चे तेल की कीमतें बढने का असर केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही होगा, ऐसा सोचने वालों में आप भी हैं तो अपनी धारणा ठीक कर लें। इसका असर साबुन, सर्फ से लेकर बिस्किट, पेंट और पेय पदार्थों की कीमतों पर होगा और ये चीजें महंगी हो जाएंगी।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सेल्स हेड कृष्णा खातवानी ने कहा,मध्य पूर्व में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ला सकता है, जिससे उपभोक्ता सामान की कीमतें बढ़ेंगी और ग्राहकों की जेब पर असर पड़ेगा। यह स्थिति ऐसे समय में बनी है जब एफएमसीजी कंपनियों को ब्याज दरों में कटौती, बजट में टैक्स राहत और शुरुआती मानसून जैसे कारणों से मांग में सुधार के संकेत मिलने लगे थे। हाल ही में एफएमसीजी कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी रोक दी थी, क्योंकि कच्चे माल जैसे पाम ऑयल और गेहूं की कीमतें स्थिर हो गई थीं। इससे पहले ग्रोसरी की कीमतें 5-20 प्रतिशत तक बढ़ चुकी थीं। आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में एफएमसीजी सेक्टर में 11प्रतिशत की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई, जिसमें से 5.6प्रतिशत की वृद्धि सिर्फ कीमतों के बढ़ने की वजह से थी।

बिसलेरी इंटरनेशनल के सीईओ एंजेलो जॉर्ज ने कहा, मध्य पूर्व की ऊर्जा संरचना में व्यवधान से भारी आपूर्ति संकट पैदा हो सकता है, जिससे पैकेजिंग सामग्री की लागत बढ़ेगी। यह उन कंपनियों के लिए चिंता का विषय है जो प्लास्टिक पर अत्यधिक निर्भर हैं। बिसलेरी ने हाल ही में दुबई स्थित एपरल ग्रुप के साथ साझेदारी कर पश्चिम एशिया और अफ्रीका के बाजारों में विस्तार की योजना बनाई है। हालांकि कई कंपनियों ने इनपुट लागत को छह महीने या उससे अधिक के लिए हेज कर लिया है,

लेकिन अगर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आती है, तो उनके मुनाफे पर असर पड़ सकता है। डाबर इंडिया के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने भी यही चिंता जाहिर की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टत- दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है।

हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवत- वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है। अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर 10-15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40-50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है। भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर एक भारत श्रेष्ठ भारत नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है।

एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है? तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि भारत में 卐प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना卐 के अंतर्गत भारत में केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो मुफ्त राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल, भारत में अभी भी गरीबी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुई है। सरकार का यह परम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध करवाए। कोरोना महामारी के खंडकाल में देश के नागरिकों पर आई प्राकृतिक आपदा के चलते करोड़ों की संख्या में नागरिकों ने अपने रोजगार खोए थे तथा इस गम्भीर समय में केंद्र सरकार ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए देश के गरीब नागरिकों को उक्त योजना के अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया था, जो आज भी जारी है। दरअसल इसी योजना के चलते भारत में आज लाखों परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए हैं एवं देश के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के खंडकाल में मंहगाई एवं बेरोजगारी के दौर में देश के नागरिकों को आजीविका की गारंटी देना आवश्यक था। जब तक देश के समस्त परिवार आत्मनिर्भर नहीं जो जाते तब तक इसे एक 卐ट्रैंजीशनल सिक्यूरिटी नेट卐 माना जा सकता है। हां, आगे आने वाले 3-5 वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत शामिल नागरिकों की संख्या को कम जरूर किया जाना चाहिए क्योंकि जो परिवार अब गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए है, ऐसे परिवारों को उक्त योजना का लाभ अब बंद किया जाना चाहिए।

संपादकीय

रडार पर पाक

आखिरकार भारत की चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाकिस्तान को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, हकीकत बनती नजर आ रही है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं। अब वैश्विक वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण गतिविधियों के लिए वैश्विक निगरानी संस्था है, ने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आतंकवाद के लिए फंडिंग के रिकॉर्ड की निगरानी करने वाली इस संस्था ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा। उल्लेखनीय है कि पाक को वर्ष 2022 में इस सूची से हटा दिया गया था। दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन को मनाने में सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाकिस्तान को करना पड़ेगा। यह विडंबना ही कि पश्चिमी देश अपने स्वार्थों के लिये आतंकवाद पोषण की परिभाषा ही बदल देते हैं। उन्हें मानवता के प्रति अपराध करने वाले देश अपने निहित स्वार्थों के चलते पाक-साफ नजर आने लगते हैं। भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी तब हैरान हुई जब आईएमएफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिये संतोषजनक प्रगति की है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने बेनकाब किया। भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाकिस्तान का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाकिस्तानी हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाकिस्तान आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च नहीं करेगा।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग सर्वे संतु निरामया यानें सभी रोग मुक्त हों

(लेखक- किशन सनमुख़दास भावनानीं)

भारत की अत्यंत प्राचीन विरासत में से एक योग भी है,आदि अनादि काल से ही योग एक जीवन जीने की कला और आज के आधुनिक डिजिटल युग में एक विज्ञान और औषधी रहित चिकित्सा पद्धति के रूप में वैश्विक स्तरपर लोकप्रिय हो चुका है, जिससे भारत की प्रतिष्ठा में चार चांद लग गए हैं इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है,योग दिवस पर भारत का रिकॉर्ड-संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद 21 जून को 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 जून 2025 को राष्ट्रीय कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित होगा,जहां पीएम 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों के साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) सत्र का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही, देश भर में एक लाख से अधिक स्थानों पर योग संगम सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो इसे इतिहास में सबसे बड़े समन्वित योग प्रदर्शनों में से एक बनाएगा।उन्होंने 卐योगआंध्र卐 अभियान - जो राज्य भर में 10 लाख नियमित योग अभ्यासियों का समुदाय तैयार करने की एक महत्वाकांक्षी पहल है।चूँकि एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग सर्वे संतु निरामया यानें सभी रोग मुक्त हों तथा 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को ऐतिहासिक बनाने क़े लिए तैयारियां जोरों पर है, विशाखापट्टनम में 5 लाख प्रतिभागियों के साथ पीएम बड़ा कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,पूरे भारत में एक लाख से अधिक स्थानों पर योग संगम सत्र आयोजन की तैयारीयाँ,जो इसे इतिहास में सबसे बड़े समन्वित योग प्रदर्शनों में से एक बना सकता है।

साथियों बात अगर हम 21 जून 2025 को होने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 क़ी ऐतिहासिक तैयारीयों की करें तो, वैश्विक भागीदारी पर अद्यतन जानकारी साझा करते हुए आयुष मंत्रालय के सचिव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए 60 से अधिक देशों ने पहले ही संबंधित कार्यकलाप आरंभ कर दिये हैं। उन्होंने कहा कि विश्व भर में योग के प्रति उत्साही लोग सक्रिय रूप से एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम और दस प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं,जो इस आंदोलन के वास्तविक अंतर्राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाते हैं।आयुष मंत्रालय के अधिकारी ने संवाददाता सम्मेलन में आईडीवाई 2025 के परिमाण, विज़न और कार्यनीति का विवरण देते हुए एक व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने आईडीवाई आंदोलन की एक दशक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया,10 प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी और व्यापक तथा समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों, नागरिक समाज और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ सहयोगा त्मक साझेदारी पर प्रकाश डाला।

साथियों बात अगर हम 100 दिनों से चल रही योग श्रृंखला की करें तो, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 में 100 दिनों तक चलने वाले दस सिग्नेचर इवेंट यानी प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिन्हें समाज के विभिन्न वर्गों के साथ तालमेल बिठाने और योग को जीवन के समग्र तरीके के रूप में बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। - समावेशिता के लिए योग समावेश से लेकर अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए योग बंधन तक - ये कार्यक्रम योग को मैट(चटाई) से लेकर आम जनता तक ले जाने के सरकार के रणनीतिक विज़न को दर्शाते हैं। दिल्ली, भुवनेश्वर, नासिक और पुदुचेरी में क्रमशः 100 दिवसीय, 75 दिवसीय, 50 दिवसीय और 25 दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला के प्रति जनता की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया ने मुख्य कार्यक्रम की ओर अग्रसर होने में अहम योगदान दिया है।योग केवल आसन करने और सांस लेने का अभ्यास भर नहीं है - यह जीवन जीने का एक तरीका है, मीडिया क़े सहयोग से लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को एक ऐसा ऐतिहासिक आयोजन बनाना है, जो लाखों लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करे और एक स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में सहायता करे।

साथियों बात अगर हमयोगदिवस 2025 को एतिहासिक बनाने की करें तो, अधिकारी ने कहा वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विश्वभर में असाधारण उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, नई दिल्ली में पहले रिकॉर्ड आयोजन से लेकर मैसूर, न्यूयॉर्क और श्रीनगर में ऐतिहासिक समारोहों तक, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रत्येक आयोजन ने स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति की साझा खोज में विविध संस्कृतियों के लोगों को एकजुट किया है। उन्होंने इस वर्ष की उपलब्धि के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, जब हम 11वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 केवल एक स्मरणोत्सव भर नहीं है, बल्कि यह हमारे प्रयासों को बढ़ाने और समाज के सभी वर्गों तक योग की पहुंच को बढ़ाने का एक सामूहिक आह्वान है। उन्होंने कहा कि एक पृथ्वी,एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान प्रस्तुत वैश्विक स्वास्थ्य विज़न के अनुरूप है और सर्व सन्तु निरामया के भारतीय सभ्यतागत लोकाचार को दर्शाता है, जिसका अर्थ है - सभी रोग मुक्त हों। आयुष मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के लिए पूर्वावलोकन कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम आईडीवाई 2025 के भव्य समारोह की औपचारिक शुरुआत है और 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में पीएम की अगुवाई में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम से संबंधित है।

उन्होंने पिछले एक दशक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की उल्लेखनीय यात्रा की चर्चा की।जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हमारे पीएम के दूरदर्शी आह्वान के बाद वर्ष 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनाया था, तो इसने भारत के पारंपरिक ज्ञान में निहित वैश्विक कल्याण आंदोलन की शुरुआत की। वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विश्वभर में असाधारण उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रत्येक आयोजन ने स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति की साझा खोज में विविध संस्कृतियों के लोगों को एकजुट किया है।

(चिंतन- मनन)

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाप कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार-बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते।

नचिकेता संकल्पित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए।

यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा-महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

विचार मंथन

ईड़ी के खिलाफ पैरवी करने वाले वकील को ईडी का नोटिस

(लेखक-सनत जैन)

- किस ओर जा रहा है न्याय तंत्र ?

केन्द्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को समन भेजा । ईड़ी की यह कार्रवाई ना केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हमारे संविधान ओर लोकतंत्र को चुनौती देने जैसा है। यह मामला किसी आम प्रशासनिक चूक का नहीं है। बल्कि वकीलों की पेशेवर स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता पर सरकार और ईड़ी का सीधा हमला है। ईडी ने मुअक्किल को दी गई कानूनी सलाह से नाराज होकर, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील को जांच के घेरे में लाकर धमकाने की कोशिश की है। यह सोच कितनी भयावह है, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। सरकार की एजेंसियां अब वकीलों और अदालतों को धमकाने का काम करने लगी हैं। जांच एजेंसी जब वकील से यह पूछें कि उसने अपने मुअक्किल को क्या राय दी है। इसे ईड़ी को बताया जाए। एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने ईडी की इस कार्रवाई पर सख्त आपत्ति की है। एसोसिएशन ने इसे न्याय प्रणाली को डराने और वकालत की स्वतंत्रता को कमजोर करने का कृत्य बताया है। जांच एजेंसियों की यह कार्यवाही अधिवक्ताओं और अदालतों के बीच में डर और भय फैलाने जैसी कार्यवाही की एक मिसाल है। ईडी और सरकार की कोई भी जॉच एजेंसी के खिलाफ अब हर वकील यह सोचेगा कि उसे सरकार के किसी एजेंसी के खिलाफ पैरवी करनी है, या नहीं। यदि उसने पैरवी की तो उसे जांच एजेंसी की प्रताणना का सामना करना पड़ेगा। उसे भी जांच एजेंसियां परेशान करेंगी। ईडी की इस कार्रवाई से कानूनी कार्यवाही में बकीलों के बीच में भय का माहौल बनाने का जो प्रयास ईड़ी द्वारा किया गया है। देश में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही ईडी की गिरफ्तारी और छापेमारी की शक्तियों पर समय-समय पर सवाल खड़ी कर चुकी है। ईड़ी अब वकीलों को निशाना बना रही है, जिसके कारण नागरिकों के मौलिक अधिकार भी अब संकट में पडते हुए दिख रहे हैं। न्याय व्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक मोड़ है। इससे न केवल वकील, बल्कि हर नागरिक के उस अधिकार को खतरा उतपन्न हो गया है। जिसमें वह स्वतंत्र कानूनी सलाह ले सकता है। कोर्ट में आम आदमी अब अपने अधिकारों की लड़ाई भी नहीं लड़ सकता है। यह कार्यवाही उस समय की याद दिलाता है। जब 2019 में सीनियर एडवोकेट्स आनंद ग्रोवर और इंदिरा जयसिंह को निशाना बनाया गया था। दातार के खिलाफ जारी समन का विरोध होने पर ईड़ी ने समन भले वापस ले लिया है। लेकिन सवाल जस का तस है। सत्ता में बैठे लोग कानून को भय का हथियार बनाकर अब वकीलों को भी प्रताड़ित कर रहे हैं? क्या वकील भी अब स्वतंत्र नही रहे ? क्या न्यायपालिका स्वतंत्र रह गई है? पैरवी करने और फैसला करने वालों को ही सरकार कानून के कठघरे में खड़ा करेगी। तो आम नागरिको की क्या हालत होगी ? इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

इस घटनाक्रम के बाद जरूरी हो गया है, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और सभी बार काउंसिल मिलकर सरकार और उसकी जांच एजेंसियों की ऐसी प्रवृत्तियों को रोकने से सख्ती से आगे आएं। वकील और न्यायाधीश न्याय पालिका के दो पहिए हैं। दोनों ही न्यायपालिका के विशिष्ट अंग हैं। जब इनमें से किसी एक पर हमला होता है, तो न्यायपालिका और लोकतंत्र की गाड़ी डगमगाने लगती है। नागरिकों के संविधान प्रदत मौलिक अधिकार खतरे में पडने लगते हैं। न्याय के नाम पर अन्याय करने का जो काम सरकारें करती हैं। यदि इस तरीके की कार्यवाही को समय रहते नहीं रोका गया, तो आपातकाल से भी ज्यादा खराब तानाशाही की ओर ले जाने वाली कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियों और सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में वकीलों को आगे आना होगा, अन्यथा उनका भी कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। अब तो वकील भी इसके शिकार होने लगे हैं। इससे गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। 1975 का आपातकाल कानून के तहत लागू किया गया था। वर्तमान में आपात काल नहीं है। उसके बाद भी आपातकाल से ज्यादा तानाशाही और सरकारी प्रताणना आम नागरिकों को झेलना पड़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब देश के 73 प्रतिशत एटीएम में मिलेंगे 100 या 200 के नोट

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में कुछ दिनों पहले देश के सभी बैंकों को निर्देश दिए थे कि वह अपने एटीएम में 100 और 200 रुपये के नोट लोगों को जरूर उपलब्ध कराएं, जिससे लोगों को नोट निकालने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। आरबीआई ने इस काम को करने के लिए बैंकों को 30 सितंबर 2025 तक की समयसीमा दी थी लेकिन आरबीआई के इस निर्देश का असर अभी से दिखने लगा है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 73 प्रतिशत एटीएम ऐसे हो चुके हैं, जिनमें कम से कम एक कैसेट से 100 या 200 रुपये के नोट मिल रहे हैं। दिसंबर 2024 तक यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था, जो आरबीआई के आदेश के बाद बढ़ गया है।

जापान के निर्यात में मई महीने में 1.7 फीसदी की गिरावट

व्यापार घाटा मई में 637.6 अरब येन या 4.4 अरब डॉलर रहा

टोक्यो । जापान के निर्यात में मई महीने में गिरावट आई है। अमेरिका को मोटर वाहनों के निर्यात में सालाना आधार पर करीब 25 प्रतिशत की भारी गिरावट इसकी मुख्य वजह रही। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि निर्यात में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई जो विश्लेषकों द्वारा पूर्वानुमानित गिरावट से कम है। आयात में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जो कमजोर घरेलू मांग को दर्शाता है। यह अप्रैल में दर्ज दो प्रतिशत की गिरावट से भी बदतर है। वहीं व्यापार घाटा मई में 637.6 अरब येन या 4.4 अरब डॉलर रहा। जापान अभी तक शुल्क मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाया है। प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इस सप्ताह की शुरुआत में कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद कहा था कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं पर सहमत नहीं हो पाए हैं। अमेरिका ने जापान के मोटर वाहनों व उसके घटकों के निर्यात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और अन्य वस्तुओं पर 24 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

मेकमाईट्रिप शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री से जुटाएगी 2.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली । यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप का कहना है कि वह शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री के जरिये 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने पर विचार कर रही है। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक को दी गई सूचना के अनुसार इस जुटाई गई राशि का उददेश्य कंपनी में चीन स्थित ट्रिप डॉट कॉम समूह की हिस्सेदारी को उल्लेखनीय रूप से कम करना है। नैस्डैक में सूचीबद्ध कंपनी ने पेशकश से हो सिल की गई आय के साथ-साथ परिवर्तनीय बॉण्ड की पेशकश से मिली राशि का इस्तेमाल ट्रिप.कॉम द्वारा पहले अधिग्रहित अपने 'क्लास बी' शेयर के एक हिस्से को पुनर्खरीद करने के लिए करने की योजना बनाई है। सामान्यतः क्लास बी शेयर में सामान्य शेयरों के समान ही अधिकार एवं प्राथमिकताएं होती हैं, सिवाय इसके कि इस श्रेणी के शेयर को नियंत्रित करने वाली निर्गम शर्तों को विशेष रूप से निर्धारित किया गया हो।

सरकार आयकर विधेयक के प्रावधान में कर सकती है बदलाव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार आयकर विधेयक, 2025 के उस प्रावधान में कुछ जरूरी बदलाव करने पर` विचार कर सकती है जिसके तहत गैर-कॉरपोरेट करदाताओं के लिए न्यूनतम वैकल्पिक कर (एएमटी) का दायरा बढ़ा दिया गया था। एक सरकारी अ धिकारी ने बताया कि इस श्रेणी में पार्टनरशिप फर्म और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) फर्म जैसी करदाता आती हैं जो केवल दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कमाती हैं। विधेयक में ऐसे गैर-कॉरपोरेट करदाताओं के लिए अध्याय 6-ए के तहत कटौती का संदर्भ हटा दिया था। ऐसे में लग रहा था कि किसी भी कर लाभ का का दावा न करने वाले करदाताओं को भी वैक ल्पिक न्यूनतम कर देना पड़ सकता है।

मारुति डिजायर को एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग

नई दिल्ली ।

भारत सरकार के भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मारुति सुजुकी की पॉपुलर सेडान कार डिजायर को 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। यह उपलब्धि 'मेड इन इंडिया' वाहनों की गुणवत्ता और सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह रेटिंग वयस्क और बच्चों की सुरक्षा, दोनों श्रेणियों में दी गई है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस उपलब्धि पर कंपनी को बधाई देते हुए इसे भारत की वाहन सुरक्षा में एक प्रेरणादायक कदम बताया। डिजायर का यह नया संस्करण पिछले साल लॉन्च हुआ था, जिसमें 6 एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर्स और हाई-स्ट्रेंथ बॉडी स्ट्रक्चर जैसे सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा स्पीड अलर्ट सिस्टम, इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट्स और रिवर्स पार्किंग सेंसर भी कार की सेफ्टी को बेहतर बनाते हैं। ये सारे फीचर्स डिजायर को एक भरोसेमंद और सुरक्षित पारिवारिक वाहन बनाते हैं। भारत एनसीएपी को 2023 में शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य देश में बिकने वाले वाहनों की सुरक्षा

मानकों की जांच करना है। इससे ग्राहकों में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी है और कंपनियों पर बेहतर फीचर्स लाने का दबाव बना है। यह उपलब्धि न केवल मारुति के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि भारतीय कारें भी अब ग्लोबल सेफ्टी स्टैंडर्ड्स पर खरी उतर रही हैं। मारुति डिजायर की यह उपलब्धि भारतीय ऑटो सेक्टर के लिए एक नई दिशा तय करती है, जिसमें सुरक्षा अब प्राथमिकता बन चुकी है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.49 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

गोयल लंदन पहुंचे, एफटीए, व्यापार, निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करेंगे

- गोयल ब्रिटेन की राजकोष चांसलर रेचल रीव्स से भी मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं। इस दौरान गोयल ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए चर्चा करेंगे। इस यात्रा के दौरान गोयल ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता एफटीए पर हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा इसे अंतिम रूप देने और कार्यान्वयन के लिए एक स्पष्ट, समयबद्ध खाका तैयार करेंगे। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को एफटीए पर सहमति बनने की घोषणा की थी। इस समझौते का उद्देश्य श्रम-प्रधान भारतीय निर्यात जैसे चमड़ा, जूते और कपड़े पर शुल्क समाप्त करना जबकि व्हिस्की तथा कारों जैसे ब्रिटेन के उत्पादों के आयात को आसान बनाना है। इसका लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना करके 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना भी है। समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होना और इसका क्रियान्वयन होना बाकी है। गोयल ब्रिटेन की राजकोष चांसलर रेचल रीव्स से भी मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग एवं निवेश सुविधा पर चर्चा करेंगे। रचनात्मक

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। आज सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 138.64 अंक करीब (0.17 फीसदी) टूटकर 81,444.66 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 41.35 अंक तकरीबन (0.17फीसदी) नीचे आकर 24,812.05 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही बंद हुए, जबकि शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की केवल 14 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 36 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 4.44 फीसदी ऊपर आये जबकि टीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.79 फीसदी गिरे।

सेंसेक्स की कंपनियों में आज टाइटन के शेयर 1.99 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.12 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.63 फीसदी, एटरनल 0.47 फीसदी, भारती एयरटेल 0.47 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.35 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.29 फीसदी और एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.22 फीसदी की बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर अडाणी पोर्ट्स के शेयर 1.55 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.35 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.25 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.16 फीसदी, एनटीपीसी 0.85 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.73 फीसदी, एचसीएल टेक 0.64 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.64 फीसदी, इंफोसिस 0.45 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.44फीसदी, टाटा स्टील 0.36 फीसदी, पावरग्रिड 0.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.33 फीसदी, आईटीसी 0.32 फीसदी, सनफार्मा 0.17 फीसदी, रिलायंस 0.10फीसदी, एसबीआई 0.06फीसदी गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला पर शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर में खरीदारी के चलते जल्द ही हरे निशान में आ गया। सुबह सेंसेक्स 160.49 अंक बढ़कर 81,743.79 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 57.40 अंक बढ़कर 24,910.80 पर

कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी बैंक 33 अंक बढ़कर 55,747.15 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 20.35 अंक की गिरावट के बाद 58,358.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 7.55 अंक की गिरावट के बाद 18,412.80 पर था। विश्लेषकों के अनुसार मध्य पूर्व में युद्ध को लेकर तनाव कम करने की बाजार की उम्मीदें टूट गईं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि संघर्ष के बढ़ने का संकेत मिलता है। एशियाई बाजारों में बैंकॉक, जापान और सोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि जकार्ता, हांगकांग और चीन लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स 299.29 अंक की गिरावट के साथ 42,215.80 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 50.39 अंक की गिरावट के साथ 5,982.72 पर और नैस्डैक 180.12 अंक की गिरावट के साथ 19,521.09 पर बंद हुआ।

बैंक में जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ा सकता है केंद्र

सरकार ने कहा- बीमा सीमा बढ़ने से बैंकिंग सिस्टम पर बढ़ेगा भरोसा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार बैंक जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ाने पर विचार कर रही है। बैंक डिपॉजिट पर पांच लाख रुपए तक का ही बीमा होता है, लेकिन वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस सीमा को जल्द बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में 'डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन' के तहत किसी भी बैंक के बंद होने या दिवालिया होने की स्थिति में जमाकर्ताओं को अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा कवर मिलता है।

यह बीमा राशि एक व्यक्ति के सभी खातों पर कुल मिलाकर दी जाती है यानी यदि किसी व्यक्ति का बैंक में 10 लाख रुपये जमा है और बैंक बंद हो जाता है, तो उसे सिर्फ 5 लाख रुपये ही वापस मिलेंगे।

यह बीमा कवर सीधे जमाकर्ता से प्रीमियम नहीं लेता, बल्कि बैंक ही इसका प्रीमियम चुकाते हैं। यह बीमा सिर्फ उन्हीं हालातों में लागू होता है जब बैंक पर मोरेटोरियम लग जाए या वह पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। हाल ही में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में सामने आई अनियमितताओं के बाद एक बार फिर यह मुद्दा चर्चा में है। इससे पहले भी पीएमसी बैंक, यस बैंक, और लक्ष्मी विलास बैंक जैसी संस्थाओं में वित्तीय संकट के चलते ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

इन घटनाओं के मद्देनज़र, सरकार का मानना है कि बीमा सीमा बढ़ाने से लोगों का बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा बढ़ेगा। साथ ही वे गारंटी की रकम तक पैसा जमा करने में संकोच नहीं करेंगे। इससे बचत में बढ़ोतरी होगी और बैंक ज्यादा कर्ज देने की स्थिति में होंगे। अगर कोई बैंक दिवालिया घोषित होता है या उस पर मोरेटोरियम लगाया जाता है, तो डीआईसीजीसी के नियमों के मुताबिक जमाकर्ताओं को 90 दिनों के भीतर बीमा राशि प्रदान की जाती है। प्रभावित बैंक को 45 दिनों के भीतर खाताधारकों का विवरण डीआईसीजीसी को भेजना होता है और इसके बाद अगला 45 दिनों में राशि खाताधारकों को दी जाती है।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में 11,000 करोड़ में 1,164 लग्जरी अपार्टमेंट बेचे

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में 1,164 लक्जरी अपार्टमेंट करीब 11,000 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। डीएलएफ ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में अपनी नवीनतम लक्जरी पेशकश डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ को बेचने की घोषणा की। यह बिक्री परियोजना शुरू होने के केवल एक सप्ताह के भीतर करीब 11,000 करोड़ रुपये में की गई। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 76 व 77 में 116 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा है डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि यह डीएलएफ के व्यापक स्तर के आवास उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को बताता है। उन्होंने कहा कि मजबूत बिक्री प्रतिक्रिया डीएलएफ की पेशकशों के लिए स्पष्ट मांग को दर्शाती है जो हमारी पिछली परियोजनाओं की सफलता से प्रेरित है। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि डीएलएफ गुरुग्राम में इस नई लक्जरी आवास परियोजना के विकास के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

भारत की स्थिति वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बेहतरः सीईए

तिरुवनंतपुरम ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के स्थिर आर्थिक प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक बेहतर स्थिति में बना हुआ है। सीईए ने कहा कि कहा कि 2022 से संघर्ष एवं व्यवधान वैश्विक परिदृश्य का हिस्सा रहे हैं लेकिन वे अब अधिक अप्रत्याशित हो गए हैं। इससे समग्र परिवेश चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सुरक्षा से संबंधित हो दुनिया भर में वृद्धि के लिए कहीं अधिक चुनौतियां पेश कर रहे हैं। नागेश्वरन ने पश्चिम एशिया में यूक्रेन-रूस, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्षों और शुल्क युद्धों के कारण बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे किए गए सवाल पर कहा कि आप कह सकते हैं कि सकारात्मक संभावनाओं पर कहीं न कहीं ये स्थितियां हावी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, यह कई देशों को प्रभावित कर रही हैं। सीईए ने कहा ` कि कुछ हद तक यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में वैश्विक परिवेश चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सुरक्षा से संबंधित हो, वृद्धि के लिए काफी जटिल और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया हैज न केवल भारत के लिए बल्कि कई देशों के लिए लगभग पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए। नागेश्वरन ने कहा कि लेकिन उनका मानना है कि इन परिस्थितियों में भी भारत वास्तव में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है।

सीईए ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत की 6.5 प्रतिशत की मौजूदा वृद्धि दर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि 2008 के वित्तीय संकट के बाद से वैश्विक माहौल कितना कठिन हो गया है, इसे देखते हुए इस दर को बनाए रखना कोई मामूली बात नहीं है।

अब आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं

- मोबाइल से ही हो जाएगा आधार अपडेट, यूआईडीएआई ला रहा क्यूआर कोड बेस्ड नया ऐप

नई दिल्ली ।

अब आपको आधार अपडेट कराने कि लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं होगी। यूआईडीएआई ने एक ऐसा नया सिस्टम बनाया है, जिससे लोग घर बैठे ही अपने आधार में मोबाइल नंबर, पता, नाम और जन्मतिथि जैसी जानकारी अपडेट कर सकेंगे। यूआईडीएआई ने एक ऐप तैयार किया है, जो क्यूआर कोड के जरिए पूरा आधार शेयर करने की सुविधा देगा। नवंबर 2025 तक आधार में एड्रेस अपडेट, डिटेल वेरिफिकेशन और बायोमेट्रिक अपडेट जैसे काम घर बैठे ही संभव हो सकेंगे। नई टेक्नोलॉजी के जरिए यह सिस्टम जन्म प्रमाण पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पेन, पीडीएस और मनरेगा जैसे डेटाबेस से पता और दूसरी जानकारी हासिल करेगा। इससे न केवल दस्तावेजों की जांच आसान होगी, बल्कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल भी रोका जा सकेगा। यूआईडीएआई बिजली बिल डेटाबेस को भी इस सिस्टम से जोड़ने की तैयारी कर रहा है, जिससे सिस्टम और भी सुलभ हो जाएगा। यह ऐप मोबाइल-टू-मोबाइल या ऐप-टू-ऐप आधार ट्रांसफर की सुविधा देगा। इससे होटल चेक-इन, ट्रेन यात्रा के दौरान पहचान सत्यापन और प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जैसे मामलों में इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। ऐप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आधारधारक की सहमति के बिना डेटा शेयर नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा यूआईडीएआई बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट के लिए सीबीएसई और अन्य बोर्ड्स के साथ भी बातचीत कर रहा है। पांच से सात साल और फिर 15 से 17 साल की उम्र में बच्चों का बायोमेट्रिक डेटा अपडेट करना जरूरी होता है। इसके लिए यूआईडीएआई ने एक विशेष योजना भी तैयार की है, ताकि करीब 18 करोड़ बच्चों का अपडेट पूरा कराया जा सके।

टिकटॉक अमेरिका में अभी बंद नहीं होगा

90 दिन की अतिरिक्त मोहलत और देगा अमेरिका

नई दिल्ली ।

टिकटॉक को अमेरिका में अपने कारोबार को बेचने के लिए 90 दिन की अतिरिक्त मोहलत देने पर विचार किया गया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप नहीं चाहते कि टिकटॉक बंद हो। उन्होंने कहा कि यह विस्तार 90 दिनों का होगा, जिसके दौरान प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा रहेगा कि यह डील पूरी हो जाए, ताकि अमेरिकी नागरिक टिकटॉक का इस्तेमाल जारी रख सकें और उनका डेटा सुरक्षित बना रहे, जैसा कि पोलिटिको की रिपोर्ट में बताया गया है। कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद वॉशिंगटन लौटते समय, ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्होंने टिकटॉक पर बैन की डेडलाइन आगे बढ़ा दी है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग आखिरकार अमेरिका में टिकटॉक का बिजनेस बेचने को मंजूरी दे देंगे। यह तीसरी बार है जब टिकटॉक पर लगे प्रतिबंध को लागू करने की तारीख को टाला गया है। 2024 में बना यह कानून पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में पास हुआ था। पहली बार यह रोक तब लगी जब ट्रंप ने 20 जनवरी को दूसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली और उसी दिन एक कार्यकारी आदेश पर दस्तखत किए। उस समय कांग्रेस और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद टिकटॉक पर अस्थायी तौर पर अमेरिका में पाबंदी लागू कर दी गई थी। दूसरी बार अप्रैल में डेडलाइन बढ़ाई गई, जब ट्रंप ने एक नया आदेश जारी कर 75 दिन की और मोहलत दी। उस समय टिकटॉक को अमेरिकी कंपनियों को बेचने की बातचीत टल गई थी।

क्रूड के फिर 65 डॉलर प्रति बैरल पर लौटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

हाल ही में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के शेयरों में 5 से 7 फीसदी तक गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ता तनाव है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 11 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गई। लेकिन ब्रोकरेज का मानना है कि यह स्थिति ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी। अमेरिका और सऊदी अरब जैसे बड़े देशों के लिए यह इलाका बेहद अहम है और वे किसी भी तरह की रुकावट को रोकने की पूरी कोशिश करेंगे। इसलिए आगे चलकर सप्लाई में कोई बड़ी रुकावट आने की उम्मीद नहीं है। ब्रोकरेज के मुताबिक अभी जो बढ़त तेल की कीमतों में दिख रही है, वह असल में सिर्फ सप्लाई को लेकर डर की वजह से है। बाजार में मांग बहुत ज्यादा नहीं बढ़ी है, इसलिए अगर तनाव कुछ समय में खत्म हो गया तो कच्चे तेल की कीमत दोबारा 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ सकती है। इसका मतलब है कि ओएमसी यानी सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल के ऊंचे दामों से ज्यादा नुकसान नहीं होगा। रिपोर्ट बताती है कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल पर कंपनियों को 5.4 प्रति लीटर का मार्जिन मिल रहा है, जो कि उनके खुद के अनुमान 4.8 प्रति लीटर से भी ज्यादा है। इस

साल की शुरुआत से अब तक इनका औसत मुनाफा 10.6 प्रति लीटर रहा है। इसका मतलब है कि अगर कच्चे तेल के दाम कुछ समय और ऊंचे भी रहे, तो भी इन कंपनियों को पेट्रोल-डीजल से इतनी कमाई होती रहेगी कि उनका घाटा नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में नंबर-4 पर किसे मिलेगा मौका? उपकप्तान ऋषभ पंत ने खोले कई राज

लंदन (एजेंसी)। महज दो दिन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तान ऋषभ पंत प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। पीसी में विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया कि विराट कोहली की जगह अब नंबर 4 पर कौन बल्लेबाजी करेगा। साथ ही उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पोजिशन के बारे में बताया और अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

बता दें कि, विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सवाल उठने लगे थे कि अब 4 नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? ऐसे में पंत ने बताया कि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे जबकि वह खुद नंबर 5 पर खेलते हुए दिखेंगे। हालांकि, नंबर 3 पर कौन बल्लेबाजी करेगा ये अब तक साफ नहीं हो पाया है। वहीं अहमदाबाद हादसे को लेकर विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि, पूरा देश निराश है हम जो कर सकते हैं वह है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और देश को खुश करना।

भारत के पास 3 नंबर पर चुनने के लिए तीन विकल्प हैं। इनमें अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर और साई सुदर्शन शामिल हैं। ईश्वरन भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गए थे। करुण नायर ने हम महीने की शुरूआत में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार दोहरा शतक बनाया था। वहीं सुदर्शन के पास पर्याप्त अनुभव नहीं है। टीम मैनेजमेंट मैच के दिन की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद ही कोई फैसला ले सकता है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के टेस्ट सीरीज में ओपनिंग कर सकते हैं। दोनों ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में ओपनिंग की थी। इस दौरान राहुल ने शतक जड़ा था। वहीं जायसवाल पिछले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज थे। उन्होंने अभ्यास मैच में भी जज्बा दिखाया। अब टेस्ट सीरीज में उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची भारतीय टीम

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लीड्स पहुंच गई है। यहां भारतीय टीम शुक्रवार से पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इसमें सबसे अलग बात ये रही कि इस बार टीम किसी बस या विमान से नहीं बल्कि लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया का एक विशेष वीडियो आया है। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, उप कप्तान ऋषभ पंत, प्रसिद्ध कृष्णा, केएल राहुल, करुण नायर, अर्शदीप सिंह और फील्डिंग कोच टी. दिलीप सहित सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का रेलवे स्टेशन से बाहर आते देखा गया !प्रशंसक टीम और कोचिंग स्टाफ को रेलवे स्टेशन से बाहर आते देख हैरान हो गये। भारतीय टीम अभ्यास मैच के बाद यहां पहुंची है।

भारतीय टीम इस मैच में जीतकर सीरीज की बेहतर शुरुआत करना चाहती है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं हैं। ऐसे में इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का अवसर रहेगा। इससे टीम का एक नया युग शुरु होगा। इस सीरीज से दोनो ही टीमें अपने नये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) सत्र की शुरुआत करेगी।

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी: दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे।

बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, 'हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं और उन्होंने (सूर्यवंशी) बड़े छक्के लगाए। उन्होंने कुछ मैचों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक पारी खेली, मैं टीवी पर देख रहा था। ष्टस्य के पास आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली! और फिर उन्होंने एक शॉट कवर पर मारा, जैसे

'मैं इतना नियंत्रण में हूं, मैं बस एक शॉट खेलूंगा। उस पल, मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी है। मैं बहुत हैरान था।'

बटलर ने कहा, 'वास्तव में उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। उन्होंने खुद को थोड़ी जगह दी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। उनमें निडरता थी। बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं, वे लगभग एक बयान देना चाहते हैं, जैसे कि 'मुझे देखो'। हमें उनसे यह पूछने की कोशिश करनी होगी कि ऐसा होने से कितने समय पहले आपने सोचा था कि 'मैं अपनी पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करूंगा'। क्योंकि यह एक पूर्व-निर्धारित शॉट था। उन्होंने इसकी तलाश की। लोगों ने उन्हें इस अद्भुत बल्ले के साथ देखा है। यह युवराज सिंह या ब्रायन लारा की तरह एक बड़ा बयान है।' गौर हो कि सूर्यवंशी को इंग्लैंड में आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है और यदि उन्हें मौका मिलता है तो उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर होगी।

बीसीसीआई को बॉम्बे हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका, इस टीम को देने होंगे 538 करोड़ रुपये

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स केस में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने बीसीसीआई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कोच्चि टस्कर्स के मालिकों के पक्ष में 538 करोड़ रुपये के आर्बिट्रल अवॉर्ड को सही करार दिया। बीसीसीआई ने कोच्चि टस्कर्स टीम को साल 2011 में आईपीएल से बाहर कर दिया था। उसके बाद कोच्चि टीम ने बीसीसीआई के खिलाफ आर्बिट्रेशन केस किया था। फ्रेंचाइजी सिर्फ एक आईपीएल सीजन में खेली और अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी।

जज आरआई चागला ने बीसीसीआई और कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड और अन्य मामले में कहा कि अदालत मध्यस्थ के निष्कर्षों पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा

कि मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण-दोषों की गहराई से जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे की विपरीत है। साक्ष्य और/या गुण-दोषों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों के बारे में बीसीसीआई का असंतोष अवॉर्ड को चुनौती देने का आधार नहीं हो सकता।

कोच्चि टस्कर्स फ्रेंचाइजी को रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड ने लिया था। बाद में फ्रेंचाइजी को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया। बीसीसीआई ने सितंबर 2011 में फ्रेंचाइजी समझौते के उल्लंघन का हवाला देकर कोच्चि टस्कर्स को समाप्त कर दिया। बीसीसीआई ने कहा कि फ्रेंचाइजी बैंक गारंटी देने में विफल रही थी। वहीं, केसीपीएल ने कहा कि देरी अनसुलझे मुद्दों के कारण हुई, जिसमें स्टेडिमय की अनुपलब्धता, शेयरहोल्डिंग पर विनियामक अनुमोदन और आईपीएल मैच की संख्या में कमी शामिल थी।

देरी के बीच बीसीसीआई और केसीपीएल कई महीनों तक संपर्क में रहे थे। बोर्ड ने कई भुगतान भी स्वीकार किए। लेकिन अचानक बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया और आरएसडब्ल्यू द्वारा जारी की गई पूर्व गारंटी को भी भुना लिया। केसीपीएल और आरएसडब्लू ने 2012 में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की और ट्रिब्यूनल ने 2015 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया। केसीपीएल को 384 करोड़ रुपये और आरएसडब्लू को 153 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया गया था। इसके साथ ही ब्याज और लीगल कॉस्ट भी देने का जिक्र था।

सूर्यकुमार चोट के इलाज के लिए इंग्लैंड रवाना, हो सकती है सर्जरी

नई दिल्ली - भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 'स्पोर्ट्स हर्निया' से संबंधित चोट के इलाज के लिए विशेषज्ञ से परामर्श लेने इंग्लैंड गए हैं और यदि आवश्यक हुआ तो उनकी सर्जरी भी हो सकती है। 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 700 से अधिक रन बनाए और इसके तुरंत बाद मुंबई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट में भी खेले। यह पता नहीं है कि क्या मुंबई टी20 लीग के दौरान उनका दर्द बढ़ गया था क्योंकि सूर्यकुमार तीन महीने तक लगातार यात्रा कर रहे थे और खेल रहे थे। इस क्रिकेटर के एक करीबी सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''सूर्या पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वह परामर्श के लिए ब्रिटेन गए हैं। यदि आवश्यक हुआ तो वह सर्जरी करवाएंगे।' अपने करियर में दर्द के बावजूद कई मैच खेलने वाले सूर्यकुमार आईपीएल और मुंबई टी20 की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहते थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'अगस्त-सितंबर से पहले कोई टी20 क्रिकेट नहीं होने के कारण सूर्यकुमार ने सोचा कि यह सबसे अच्छा समय है जब वह अपनी चोट का इलाज करा सकते हैं और बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इससे उबरने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।'

शुभमन के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं होगी : कार्तिक

नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि ?भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं रहेगी। कार्तिक के अनुसार उनका विदेशी धरती पर बल्लेबाजी औसत अच्छा नहीं रहा है। वहीं इंग्लैंड की पिचों पर बल्लेबाजी करना काफी कठिन होता है। शुभमन को कप्तानी सौंपी गई है और इस कारण भी उनपर दबाव रहेगा। भारतीय टीम भारत ने आखिरी बार 2007 में यहां टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं इस बार टीम के पास रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज नहीं हैं। दूसरी ओर कोच कोच ब्रेंडन मैकुलम के आने से इंग्लैंड की टीम काफी आक्रामक क्रिकेट खेलती है। साल 2022 में मैकुलम के कोच बनने के बाद से ही टीम अपनी धरती पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। ऐसे में कार्तिक का मानना ?है कि प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड का कमजोर गेंदबाजी आक्रमण ही भारतीय टीम के लिए राहत की बात है। ऐसे में अगर टीम को मेजबानों पर दबाव बनाना है तो उनके गेंदबाजों को निशाना बनाना होगा। इंग्लैंड के बल्लेबाज आक्रामक रवैया अपनाकर मैच पर पकड़ बनाने का प्रयास करेंगे। ऐसे में गेंदबाजी को निशाना बनाकर भारतीय टीम दबाव बना सकती है। शुभमन का औसत इससे पहले इंग्लैंड में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 14.66 की औसत से 88 रन बनाए। ऐसे में कार्तिक चाहते हैं कि गिल अपनी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दें। कार्तिक का मानना ??है कि यह मैदान भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान के लिए रन बनाने और ड्रेसिंग रूम में सम्मान पाने के लिए आदर्श जगह हो सकती है।

लीड्स की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रहेगी : रॉबिन्सन

लीड्स। यहां शुक्रवार से भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पिच कैसी रहेगी। ये सवाल सभी मन में उठ रहा है। इसी को लेकर पिच क्यूरेटर रिचर्ड रॉबिन्सन ने कहा है कि पिच अच्छी रहेगी। रॉबिन्सन ने कहा कि यहां अभी शुष्क मौसम है और मेजबान टीम की उम्मीदों के अनुसार ही एक ऐसी पिच बनायी गया है जिसपर आक्रामक शॉट खेले जा सकें। लीड्स में आमतौर पर सीरीज के बीच के मैच होते हैं पर इस बार पहला ही टेस्ट यहां शुरु हो रहा है। ऐसे में आयोजकों का पूरा ध्यान इस मैच पर है। रॉबिन्सन ने कहा, ' इंग्लैंड की टीम एक अच्छी सतह चाहती है जिससे कि वे आक्रामक शॉट खेल सकें और उसी अनुसार पिच तैयार की गयी है। रॉबिन्सन को उम्मीद है कि शुरुआती दिन इस पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी पर गर्मी के कारण मैच आगे बढ़ने पर ये सपाट होने की संभावना है। पिच इंग्लैंड की आक्रामक शैली को देखते हुए तैयार की गयी है। इससे इसमें युवा भारतीय बल्लेबाजों को भी रन बनाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस दौरे मेंशुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम में लोकेश राहुल सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे जिनपर भारतीय बल्लेबाजी की जिम्मेदारी होगी। वहीं युवा यशस्वी जायसवाल सीनियर टीम के साथ इंग्लैंड के अपने पहले दौरे पर आए हैं और उनका लक्ष्य भी बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

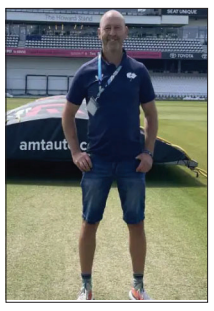

महिला टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी, भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान स

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मैच में 14 जून को एजबेस्टन में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) और मेजबान इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने बुधवार को टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम घोषित किया जिसमें 12 टीमें भाग लेंगी। अगले साल होने वाला यह टूर्नामेंट 24 दिन तक चलेगा जिसकी शुरुआत 12 जून से होगी और समापन पांच जुलाई को होगा। टूर्नामेंट के 33 मुकाबले इंग्लैंड के सात स्थानों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच 12 जून को एजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होगा जबकि भारत और पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत एजबेस्टन में ही करेंगे। एजबेस्टन के अलावा मैच हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी मैदान और लॉर्ड्स पर खेले जाएंगे। दो सेमीफाइनल 30 जून और दो जुलाई को ओवल में होंगे जबकि फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स में होगा।

दो ग्रुप में बंटी टीमें

टूर्नामेंट की 12 टीम को छह-छह के दो ग्रुप में रखा गया है।

ग्रुप 1 - छह बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया, पिछले चरण की उप-विजेता दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान और दो क्वालीफाइंग टीम शामिल हैं।

ग्रुप 2 - गत विजेता न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, मेजबान इंग्लैंड और दो क्वालीफाइंग टीम शामिल हैं।

सेमीफाइनल - प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें

भारत बनाम पाकिस्तान

पाकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले के बाद भारतीय टीम 17 जून को क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ अपने मुकाबले के लिए हेडिंग्ले जाएगी और उसके बाद टीम का सामना 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत 25 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप एक की दूसरी क्वालीफाइंग टीम का सामना करेगा जबकि उसका सबसे मुश्किल मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले इंग्लैंड ने खेली चाल, टीम में शामिल किया 6.4 फुट का तेज गेंदबाज

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की इंग्लैंड खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है। सीरीज इंग्लैंड में खेली जाएगी, ऐसे में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की पूरी उम्मीद है क्योंकि इंग्लैंड की पिचें उछाल और गति प्रदान करती हैं। भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डालने के लिए इंग्लैंड टीम की बड़ी रणनीति सामने आई है। टीम में 6 फुट 4 इंच के तेज गेंदबाज एडी जैक को शामिल किया गया है। जैक को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड की सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने का अवसर दिया गया। एसा हो सकता है कि उन्हे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत खिलाफ खेलने का मौका भी मिले। जैक ने भारत 'ए' बनाम इंग्लैंड लायंस मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिसकी बदोलत उन्हें इंग्लैंड की सीनियर टीम के साथ जोड़ा गया। उन्हें जोश टंग के बैकअप के रूप में टीम में शामिल किया गया, जो भारत 'ए' के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। जैक ने नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को आउट कर सभी का ध्यान खींचा। राहुल ने उस पारी में शतक जड़ा था, लेकिन जैक की गेंद पर उनका विकेट गिरना मैच का टर्निंग पॉइंट बन गया। जैक ने अपनी गति, उछाल और सटीक लाइन-लेंथ से भारतीय शीर्ष क्रम को काफी परेशान किया। उन्होंने दूसरी पारी में 71 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे। उन्हें पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिला था लेकिन वह चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में सफल रहे और उन्हें इंग्लैंड की मुख्य टीम में शामिल करने का फैसला किया गया। विशेष रूप से भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ उनकी धारदार गेंदबाजी इंग्लैंड के लिए आगामी टेस्ट सीरीज में एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

रवि शास्त्री ने चुनी अपनी प्लेइंग 11, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इन प्लेयर्स को दिया मौका

लंदन (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने प्लेइंग 11 को लेकर भविष्यवाणी की है। नए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत सहित सभी 18 खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी रहेगी क्योंकि भारत नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरूआत भी करेगा।

आईसीसी रिव्यू में शास्त्री ने अपनी टीम की सूची बनाते हुए कहा, 'यह (यशस्वी) जायसवाल होगा और उसके साथ केएल राहुल होंगे, क्योंकि मुझे लगता है कि यह उनके लिए एक बड़ा दौरा है। वह बल्लेबाजों में सबसे अनुभवी हैं। पिछली बार जब भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया था, तब उन्होंने ओपनिंग की थी, शतक बनाया था, (और) दौरा अच्छा रहा था। इसलिए मैं उनसे पारी की शुरुआत करने की उम्मीद करूंगा।

शास्त्री ने तीसरे नम्बर के लिए युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन को चुना। उन्होंने कहा, 'तीसरा, मैं युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन को चुनूंगा। मैंने उन्हें जितना भी देखा है, वे बहुत प्रभावशाली हैं। यह दौरा उनके लिए अच्छा अनुभव होगा।' चौथे स्थान पर शास्त्री ने गिल को रखा जो कभी कोहली का हुआ करता था। शास्त्री ने कहा, टीम में नंबर 4 पर नए टेस्ट कप्तान शामिल हैं, 25 वर्षीय गिल ने अपने लाल गेंद के अंतरराष्ट्रीय करियर में 32 मैचों में यह भूमिका निभाई है।'

शास्त्री ने माना कि यह हेडिंग्ले असाइनमेंट से पहले फॉर्म के आधार पर निर्णय हो सकता है, लेकिन करुण नायर पर विश्वास कर सकते हैं, जिनके पास काउंटी क्रिकेट का भी अनुभव है और उन्होंने लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी अर्जित की है। उन्होंने कहा, 'सभी संभावना में वर्तमान फॉर्म के आधार पर, यह करुण नायर होगा। वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करता है, उसे भारत के लिए खेले हुए काफी समय हो गया है। छठे नंबर पर (ऋषभ) पंत होंगे। मुझे लगता है कि उसने (नायर) वास्तव में कड़ी मेहनत की है। उसने टीम में वापसी के लिए कड़ी मेहनत की है। पहले-आखिरी क्रिकेट में उसने जितने रन बनाए हैं, वह अविश्वसनीय है।'

पूर्व मुख्य कोच ने कहा, 'मैं उससे एक आईपीएल खेल के दौरान मिला था। मैंने कहा, 'बस दरवाजा मत पीटना। बस उसे लात मारो और अपना रास्ता बनाओ और उस टीम में चले जाओ'। मुझे लगता है कि उसने ऐसा ही किया है। उसने जितने रन बनाए हैं, उसने चयनकर्ताओं को उस दिशा में देखने और उसे जगह देने के लिए प्रेरित किया है।'

भारत के गेंदबाजी आक्रमण के बारे में उन्होंने नंबर 7 पर रवींद्र जडेजा टीम के मुख्य स्पिनर हैं। दो तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एक स्थान के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बीच फैसला स्थिति पर निर्भर हो सकता है। शास्त्री ने कहा, 'मैं तीन तेज गेंदबाजों (साथ ही) शार्दुल ठाकुर के साथ जाऊंगा। मुझे पता है कि शार्दुल और नितीश रेड्डी के बीच यह मुश्किल होगा, लेकिन आपको देखना होगा कि कौन कितना गेंदबाजी करता है। अगर रेड्डी आपको 12, 14 ओवर देने जा रहे हैं, तो उनकी बल्लेबाजी के कारण उन्हें मौका मिल सकता है। और तीन तेज गेंदबाज होंगे, मैं प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और निश्चित रूप से जसप्रीत बुमराह के साथ जाऊंगा।'

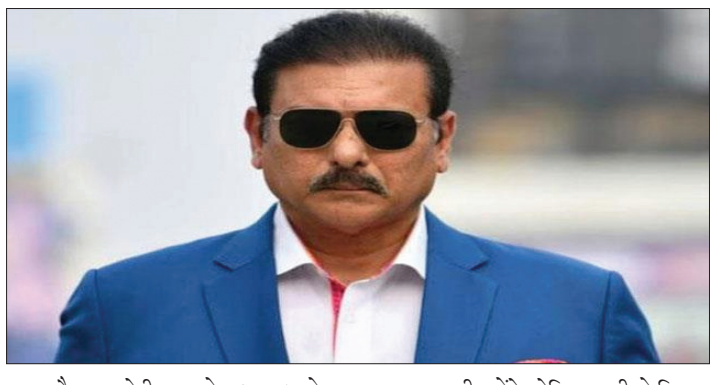

उन्होंने इसी के साथ ही कहा, 'लीड्स में अगर आसमान में बादल छाए हुए हैं, तो बाएं हाथ के गेंदबाज अशदीप सिंह को भी मौका दिया जा सकता है। इसलिए प्रसिद कृष्णा/अशदीप होंगे, लेकिन बाकी दो सिराज और बुमराह होंगे।'

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए रवि शास्त्री की प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, करुण नायर, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर/ नितीश रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा/ अशदीप सिहं, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं सुदर्शन

लंदन। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा है कि वह ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं। सुंदर को देखकर ही उन्हें आगे बढ़ने और भारतीय टीम में जगह बनाने की प्रेरणा मिली। सुदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में अपना डेब्यू कर सकते हैं जिसको लेकर वह उत्साहित हैं। वहीं सुंदर ने अब तक तीन एकदिवसीय और एक टी20आई में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में दो एकदिवसीय अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाये जिसके बाद ही उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिली। आईपीएल में सुदर्शन ने 16 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतकों के साथ 759 रन बनाए। उनकी बेहतर बल्लेबाजी तकनीक से चयनकर्ता प्रभवित दिखे। सुदर्शन घरेलू क्रिकेट में सुंदर से जूनियर हैं क्योंकि सुंदर तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, वहीं सुदर्शन उनके जूनियर हैं। आईपीएल स्टार बनने से पहले सुदर्शन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वह 30 पारियों में 56.65 की औसत, एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 1,303 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वालों में 10वें नंबर पर हैं। सुंदर को आदर्श मानने को लेकर सुदर्शन ने कहा कि वह सुंदर की तेजी से की गयी प्रगति से प्रभावित रहे हैं। एक वीडियो में सुदर्शन ने कहा, जब मैं छोटा था, तब से ही वह मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो हमने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। मैंने एक या दो बार सुंदर के खिलाफ अभ्यास किया है, जिस तरह से वह आगे बढ़े और जिस तरह से उन्होंने देश के लिए खेला, वह वाकई बहुत तेज था, इसलिए मैंने इसे अपने दिमाग में रखा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज–मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे 卐पंजाबी वर्साय卐 के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

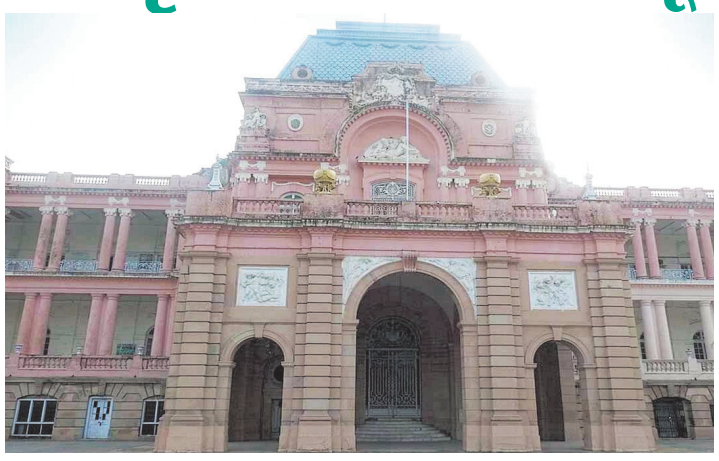

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़–पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ–साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

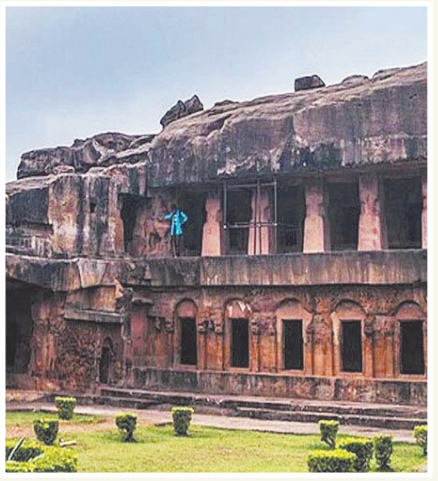

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गैंगस्टर ने बच्चा पैदा करने मांगी पैरोल, जज ने आईवीएफ प्रक्रिया की दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और कई राज्यों में वसूली, हत्या के मामलों में तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी ने कोर्ट से अजीबो गरीब मांग की थी, जिसमें उसने उसे बच्चा पैदा करने और वंश बढ़ाने के लिए 6 घंटे की पैरोल मांगी थी। हालांकि उसकी सारी दलीलें सुनने के बाद जज ने गैंगस्टर को परौल देने से इंकार कर दिया, लेकिन जठेड़ी के वकील की एक दलील से जज सहमत हो गए और उन्होंने जठेड़ी की जेल में आईवीएफ प्रक्रिया को मंजूरी दे दी। स्थानीय कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अपने आदेश में गैंगस्टर काला जठेड़ी को हिरासत में रहते हुए ही बच्चा पैदा करने के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) की मंजूरी दे दी है। इस आदेश में कहा गया है कि डॉक्टर तिहाड़ जेल के अंदर जठेड़ी से जरुरी नमूने एकत्र करें। गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों से जठेड़ी की पत्नी आईवीएफ उपचार करवा रही है। ऐसे में इन डॉक्टरों को सैंपल कलेक्शन के लिए तिहाड़ जाने की अनुमति दे दी गई है।

जठेड़ी के वकील दलाल ने कोर्ट में तर्क दिया था कि आईवीएफ की समय-संवेदनशील प्रकृति के कारण अंतरिम पैरोल जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी का उपचार एडवांस चरण में चल रहा है। इस प्रोसेस को पूरा करने के लिए काला जठेड़ी को 6 घंटे की परौल की जरूरत होगी। गैंगस्टर काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी की शादी 12 मार्च 2024 को द्वारका बैंक्वेट हॉल में भारी सुरक्षा के बीच हुई थी। शादी के लिए कोर्ट से काला जठेड़ी को 6 घंटे की परौल मिली थी।

विमान हादसा : 190 मृतकों के डीएनए सैंपलों का मिलान, जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप गए

अहमदाबाद (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों की पहचान के लिए डीएनए प्रक्रिया चल रही है। 18 जून को सुबह 10.45 बजे के अपडेट के अनुसार कुल 190 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है। जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं और 33 शव अभी सौंपे जाने बाकी हैं। यह जानकारी सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने मीडिया ब्रीफिंग में दी7 उन्होंने बताया कि 10 शव ऐसे हैं जिनके परिजनों का पता नहीं है। अब तक 125 भारतीय, 4 पुर्तगाली, 38 ब्रिटिश और 1 कनाडाई नागरिकता वाले यात्रियों के शव सौंपे जा चुके हैं। अब तक 139 लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। विमान हादसे में 9 मरीज अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उपचाराधीन थे, जिनमें से एक मरीज की कल शाम मौत हो गई। सिविल में अब तक भर्ती कुल 71 मरीजों में से तीन की मौत हो चुकी है।

हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट पर बुधवार को अज्ञात लोगों ने एक मेल भेजकर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। तेलंगाना स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धमकी के बाद एयरपोर्ट के कर्मचारियों और स्टाफ को सावधानी के तौर पर बाहर निकाल दिया गया। सुरक्षा बलों ने स्निफर डॉग्स और बम डिटेक्शन स्क्वॉड की मदद से एयरपोर्ट की जांच की। बम विस्फोट विशेषज्ञ और सुरक्षाकर्मी पूरे एयरपोर्ट का कोना-कोना छाना। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को तैनात कर दिया है। साइबर क्राइम विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जांचकर्ता धमकी भरे मेल को भेजने वाले लोगों की पहचान करने में जुटा हैं। फिलहाल एयरपोर्ट पर स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन सुरक्षा बलों ने पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कोई फर्जी मेल भी हो सकता है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से किसी भी लापरवाही से बचा जा रहा है। इससे पहले जर्मनी से हैदराबाद के लिए उड़ान भरने वाले लुफ्थांसा के विमान को बम की धमकी मिली थी। इसकी वजह से लुफ्थांसा के विमान को वापस फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे वापस जाना पड़ा था।

छतरपुर में दूसरा समलैंगिक विवाह, बुंदेलखंड की युवतियां रच रही हैं इतिहास

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर जिले के नौगांव ब्लाक के मऊसहानिया गांव में एक समलैंगिक विवाह का मामला सामने आया है। क्रांति श्रीवास उम्र 21 वर्ष और गायत्री रैकवार उम्र 24 वर्ष ने समलैंगिक शादी की है। बिहारी जी मंदिर के पास यह शादी संपन्न हुई है। दोनों युवतियों ने अपने शपथ पत्र में कहा है, वह पूर्ण रूप से बालिग और शिक्षित हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने यह निर्णय पूरे होशो हवास और सोच समझ कर लिया है। दोनों ने अपनी मर्जी से विवाह किया है। शपथ पत्र में दोनों युवतियों ने अपने परिवार से संबंध खत्म करने का भी उल्लेख किया है। छतरपुर जिले में यह दूसरी समलैंगिक शादी है। इसके पहले एक शादी दोरिया में दो युवतियों ने की थी। बुंदेलखंड की युवतियां हमेशा से अपने साहस और शौर्य के कारण सारे भारत में जानी जाती हैं। बुंदेलखंड की युवतियों में अब समलैंगिक शादी की नई हवा बड़ी तेजी के साथ फैल रही है।

मृत भिखारी के पास मिले 91 हजार

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक भिखारी का शव मिला। स्टेशन पर वह लंबे समय से भीख मांग कर गुजारा कर रहा था। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली। उसके पास से 91 हजार 70 रुपए नगद मिले। इसके साथ कई सिक्के भी मिले हैं। मांग मांग कर गुजारा करने वाले इस वृद्ध की उम्र लगभग 60 वर्ष बताई जा रही है। प्लेटफार्म नंबर 8 पर इसका शव मिला है। कुछ समय से यह बीमार था। इतना पैसा होते हुए उसने अपना इलाज नहीं कराया। पैसा जोड़-जोड़ कर समय के पहले ही भगवान के पास चला गया। जिंदा रहने के लिए इसका पैसा भी इसके काम नहीं आया।

संविधान तोड़ने वाले मना रहे संविधान हत्या दिवस..., ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 25 जून को प्रतिवर्ष 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। हालांकि, इसको लेकर एक बार फिर से राजनीति शुरू हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार कहती है कि इस साल आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर वह संविधान हत्या दिवस मनाएगी। मैं 'संविधान हत्या' वाले बयान पर आपत्ति जताती हूँ... संविधान हमारे अधिकारों का आधार है, यह लोकतंत्र की जननी है। वे इसे संविधान हत्या कैसे कह सकते हैं?

ममता ने कहा कि इसमें लिखा है कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा... वे आपातकाल हत्या दिवस भी मना सकते थे, लेकिन वे संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं। मैं इस विचार की पूरी तरह निंदा करती हूँ... क्या आज भारत में लोकतंत्र है? क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर दिन गणतंत्र हत्या दिवस हो सकता है क्योंकि हर दिन वे गणतंत्र की हत्या कर रहे हैं, हर दिन वे लोगों के मौलिक अधिकारों में कटौती कर रहे हैं, वे राज्य की अर्थव्यवस्था और राज्य के सभी मौलिक अधिकारों को भी नष्ट कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र 1975 में लगे आपातकाल के विरोध में 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाएगा, लेकिन भाजपा रोजाना संविधान को कमतर करती है। ममता बनर्जी ने सवाल किया कि क्या महाराष्ट्र और बिहार में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को भाजपा द्वारा गिराना संविधान पर हमला नहीं था। उन्होंने कहा कि जो संविधान का सम्मान नहीं करते, वे इसकी सुचिता को कायम रखने की बात कर रहे हैं। जिस तरह से भाजपा संविधान को बदलने और कमजोर करने की कोशिश कर रही है, हम हर रोज 'संविधान हत्या दिवस' मना सकते हैं।

1975 के आपातकाल को भारत में राजनीतिक उथल-पुथल और नागरिक स्वतंत्रता के दमन के दौर के रूप में याद किया जाता है। इसमें राजनीतिक असहमति को दबाने के लिए मौलिक अधिकारों का निलंबन और सख्त सेंसरशिप शामिल थी। हज़ारों विपक्षी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को बिना उचित प्रक्रिया के गिरफ़्तार किया गया, जिससे भय और अनिश्चितता का माहौल बना। मीडिया को महत्वपूर्ण प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया। 1977 में व्यापक जन आक्रोश और सत्तारूढ़ पार्टी की चुनावी हार के बाद आपातकाल समाप्त हो गया, जिसने भारत में लोकतांत्रिक संस्थानों की लचीलापन को प्रदर्शित किया।

देश में कोरोना के 6483 सक्रिय केस, बीते 24 घंटे में 4 मौतें

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए वैरिएंट से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में 4 मौतें हुई हैं। महाराष्ट्र में 2 और दिल्ली, केरल में 1-1 मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 113 की मौत हुई है। मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा केरल में 36 और महाराष्ट्र में 31 है। वहीं दिल्ली में भी 13 मौतें हुई हैं। देश के 32 राज्य-केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना के 6483 सक्रिय केस हैं। सबसे ज्यादा केरल में 1384 मामले हैं। गुजरात में 1105 और पश्चिम बंगाल में 747 सक्रिय केस हैं। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखकर सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। वहीं नगालैंड में कोरोना का पहला केस सामने आया। दीमापुर में केस दर्ज हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मरीज में हल्के लक्षण हैं और वह फिलहाल घर में आइसोलेशन में है। डॉक्टर उसकी कड़ी निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा कर्नाटक गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने में 25 बेड का कोविड वार्ड बनाया गया है। इनमें से पांच-पांच बेड आईसीयू (वेंटिलेटर समेत), हाई डिपेंडेंसी यूनिट और पांच प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हैं। बाकी 10 नॉर्मल बेड हैं।

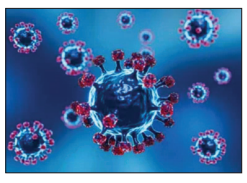

हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं यह सिर्फ एक राज्य भाषा है: राज ठाकरे

-महाराष्ट्र सरकार ने पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी की अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का आदेश दिया है। इसको लेकर बुधवार को बवाल खड़ा हो गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने जो पहली से पांचवीं तक हिंदी के सख्ती का फैसला लिया है, 17 जून को मैंने पत्र लिखा था कि ऐसा ना करें। हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं है।

राज ठाकरे ने कहा कि सीएम फडणवीस ने मुझसे कहा था कि हम हिंदी अनिवार्यता का फैसला वापस ले रहे हैं, जिसके चलते मैंने पांच दिन पहले यह पत्र लिखा था जो अब मैं स्कूल के प्रिंसिपल को भेज रहा हूं। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ एक राज्य भाषा है राष्ट्र की नहीं है। नए बच्चों को यह सब ना सिखाएं। उसे जो भाषा सिखनी है, बड़े होकर समझ जाएगा। आईएएस लॉबी का दबाव है क्या? तो यहां तीसरी भाषा का दबाव क्यों है?

उन्होंने कहा कि यूपीप में तीसरी भाषा कौन सी सिखाएंगे। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं, यह ऑप्शनल भाषा है तो 6वीं से रखो ना पहली से क्यों रखना है। यह तो राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे। गुजरात में भी हिंदी जरूरी नहीं है। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के मुताबिक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के सभी छात्र अब अनिवार्य रूप से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन करेंगे। जो छात्र हिंदी के विकल्प के रूप में कोई अन्य भाषा सीखना चाहते हैं, उनकी संख्या 20 से ज्यादा होनी चाहिए।

जाति जनगणना को जमीयत का समर्थन, मुसलमानों से अपील करते हुए बोले मदनी- ये सामाजिक और राजनीतिक जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी जाति-आधारित जनगणना का जोरदार समर्थन करते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस अभ्यास को भारत में न्याय, समावेशी शासन और समान संसाधन वितरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बताया। मौलाना मदनी ने इस बात पर जोर दिया कि जाति-आधारित जनगणना एक नियमित सरकारी प्रक्रिया से आगे निकल गई है। उन्होंने कहा, 'यह अब एक जरूरी सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकता है,' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एकत्र किए गए डेटा का नीति निर्माण पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, खासकर आरक्षण, सामाजिक कल्याण और विकास योजनाओं जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सटीक डेटा लाभ और सरकारी योजनाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करेगा, खासकर हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए जिन्हें लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है।

मुस्लिम समुदाय से सक्रिय भागीदारी का आह्वान

पूर्ण सहयोग का आग्रह करते हुए मदनी ने देश भर के सभी मुसलमानों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक मुस्लिम परिवार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनकी जाति की पहचान सही ढंग से दर्ज की गई है, उन्होंने कहा कि यह जानकारी समुदाय को प्रभावित करने वाले भविष्य के नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने जमीयत उलमा-ए-हिंद की स्थानीय शाखाओं, मुस्लिम संगठनों, धार्मिक संस्थानों और समुदाय के नेताओं से भी अपील की कि वे जनगणना के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और प्रक्रिया के माध्यम से उनकी सहायता करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

इस्लामी सिद्धांत और व्यावहारिक वास्तविकताएँ

संभावित चिंताओं को संबोधित करते हुए, मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि जाति-आधारित जनगणना का समर्थन करना समानता के इस्लामी सिद्धांत के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा, 'जबकि इस्लाम समानता पर आधारित समाज के विचार को कायम रखता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि भारतीय मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। उन्होंने समाज के सबसे वंचित वर्गों, विशेष रूप से पिछड़े और कम प्रतिनिधित्व वाले मुस्लिम समूहों के उत्थान के लिए नैतिक और संवैधानिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

हरियाणा की फैक्ट्री से पकड़े गए 16 बांग्लादेशी, आधार भी बनवा लिया था

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में सीएम फ्लाइंग टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पानीपत के गांव बलाना स्थित शिव फाइबर टैक्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री से 16 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। डीएसपी हेडक्वार्टर सतीश वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है। ये लोग डेढ़ साल से यहां रह रहे थे। इनको डिपोर्ट करने की तैयारी भी डिपार्टमेंट द्वारा की जाएगी और जिन लोगों ने उनके भारतीय आधार कार्ड बनाए हैं, उनकी भी जांच की जाएगी और नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में पता चला है कि कुछ बांग्लादेशी नागरिकों ने अवैध तरीके से भारतीय आधार कार्ड भी बनवा लिए थे। यह कार्रवाई केंद्र सरकार के आदेश पर की गई है। सरकार ने अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सीएम फ्लाइंग टीम का गठन किया है। टीम द्वारा लगातार हरियाणा के अलग-अलग स्थानों पर रेड की जा रही है।

बिहार की राजनीति में बढ़ता पीके का कद... किस दल की लुटिया डूबो देगा

-तेजस्वी की नींद हराम, एनडीए में भी बढ़ी बैंचेनी

पटना (एजेंसी)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच प्रशांत किशोर का यह बयान कि हम या 200 सीटें जीतने वाले हैं, या 4-5 पर सिमट जाएंगे। पीके का यह बयान बिहार के गली-गली में गूंज ही रहा है, इस बयान ने नेताओं की नींद भी गायब कर रखी है। बिहार चुनाव से पहले पीके की पॉलिटिक्स ने लालू के लाल तेजस्वी यादव की नींद हराम कर दी है, सिर्फ राजद ही नहीं एनडीए में भी खौफ पैदा कर दिया है। एनडीए नेताओं ने बोलना शुरू कर दिया है कि पीके की राजनीति में इस बार कुछ बड़ा होने वाला है। दो साल पहले जब प्रशांत किशोर ने अपनी 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा बिहार में शुरू की थी, तब नेता और लोग सियासी नौटंकी मान रहे थे। लेकिन 2024 में जन सुराज पार्टी का गठन और उसके ठीक बाद विधानसभा के चार सीटों के उपचुनाव में 10 प्रतिशत वोट हासिल कर पीके ने तहलका मचा दिया।

पीके, जो कभी नरेंद्र मोदी की 2014 में जीत और 2015 में बिहार में महागठबंधन जीत के सूत्रधार थे, अब खुद सियासत के मैदान में हैं। उनकी पहली बड़ी कामयाबी थी 2012 के गुजरात विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की जीत, जहां उन्होंने 'चाय पे चर्चा' और '3डी रैलियों' जैसे इनोवेटिव कैंपेन तैयार किए। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत ने उन्हें सियासी रणनीति का 'चाणक्य' बना दिया। लेकिन इसके बाद पीके ने 2015 में नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार की जीत, 2021 में ममता बनर्जी की तृणमूल जीत और डीएमके की तमिलनाडु में वापसी सभी में पीके का दिमाग था।

2024 के बिहार विधानसभा के उपचुनावों में जन सुराज का प्रदर्शन भले ही कमजोर दिख रहा हो, पार्टी की चारों सीटों पर हार हुई। लेकिन पार्टी ने 10 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जो एक नए खिलाड़ी के लिए छोटी बात नहीं। पीके ने दावा किया कि उनका असली मुकाबला एनडीए के साथ है न कि राजद के साथ। वहीं राजद और महागठबंधन ने पीके को 'बीजेपी की बी-टीम' करार दिया है। मीसा भारती ने इतना तक कह दिया हैं कि 'पांडे (पीके की जाति) यादवों को गाली देने का धंधा करते हैं' बिहार चुनाव जिस तरह से प्रशांत किशोर मेहनत कर रहे हैं, उससे सियासत हिल जाए हैरानी नहीं होगी। बताया जा रहा हैं कि आरएसएस का एक वर्ग पीके के सपने को साकार करने में लगा है।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा... गोपालपुर गैंग रेप पर प्रियंका गांधी ने ओडिशा सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को ओडिशा में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बाद ओडिशा की भाजपा सरकार की आलोचना की और दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय महिला के साथ ओडिशा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गोपालपुर समुद्र तट पर एक सुनसान जगह पर करीब 10 लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पीड़िता एक निजी कॉलेज की स्नातक छात्रा है, जिसने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद गोपालपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि ओडिशा के गोपालपुर में 10 लोगों द्वारा एक छात्रा के साथ की गई क्रूरता की निंदा करने के लिए कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। जिस राज्य के मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हैं कि पिछले पांच सालों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हुए हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना अपने आप में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार है।' घटना रविवार रात की है, जब तीन अन्य महिलाओं के साथ एक निजी मेस में रहने वाली महिला अपने सहपाठी प्रेमी के साथ राजा उत्सव के अवसर पर समुद्र तट पर गई थी। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वे एक सुनसान जगह पर बैठे थे, तभी 10 लोगों का एक समूह उनके पास आया, उसके प्रेमी को पकड़ लिया और बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

भारत के न्यूक्लियर हथियारों ने पाक के साथ चीन की बढ़ाई टेंशन, लेकिन नीति राहत वाली

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की परमाणु नीति 'नो फर्स्ट यूस' यानी पहले परमाणु हमला नहीं करने की है। यानी राहत देने वाली है। 2003 में घोषित इस नीति के तहत भारत तभी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा जब उस पर परमाणु हमला होगा। जवाबी हमला ÷मैसिव÷ यानी व्यापक और अस्वीकार्य नुकसान पहुंचाने वाला होगा। यह निर्णय केवल भारत के नागरिक नेतृत्व- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 'न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी' द्वारा लिया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अमेरिका और रूस अब भी दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ताकतें हैं। इनके पास 5,459 और 5,177 हथियार हैं। चीन इस समय सबसे तेजी से अपना परमाणु भंडार बढ़ा रहा है। चीन के पास अभी 600 के करीब परमाणु हथियार हैं। अगले दशक तक उसके पास अमेरिका या रूस के बराबर अंतर-महाद्वीपीय मिसाइलें होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की शुरुआत तक भारत के पास अनुमानित 180 परमाणु हथियार हैं, जबकि 2024 में यह संख्या 172 थी। वहीं, पाकिस्तान के पास अब भी 170 परमाणु हथियार हैं। सिपरी हर साल नए आंकड़ों के आधार पर विश्व की परमाणु ताकतों की सूची अपडेट करता है। इस बार की रिपोर्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह मई 2025 में भारत द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के कुछ ही हफ्तों बाद आई है। उस ऑपरेशन में भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकियों ने 26 निर्दोष हिंदू टूरिस्टों की हत्या कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक मिसाइल, ड्रोन और लड़ाकू विमानों से टकराव चला।

पूरी दुनिया में परमाणु बम के लिए होड़ मची हुई है। इसीलिए इजरायल ने परमाणु बम बना रहे ईरान पर हमला किया। इजरायल के हमले में परमाणु सुविधा के साथ-साथ ईरान के कई वैज्ञानिकों और खास लोगों की जान चली गई। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु बम की चर्चा हो रही थी। सवाल ये उठता है कि भारत और पाकिस्तान में से किसके पास ज्यादा परमाणु हथियार हैं? तो इस रहस्य से भी पर्दा हट चुका है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की सालाना रिपोर्ट सोमवार को जारी किया गया था।

भारत के निशाने पर केवल पाक नहीं

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की परमाणु रणनीति अब सिर्फ पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। सिपरी ने बताया, 'पाकिस्तान अब भी भारत की परमाणु प्रतिरोधक नीति का मुख्य केंद्र बना हुआ है, लेकिन भारत अब उन हथियारों पर भी ध्यान दे रहा है जो चीन तक पहुंच बना सकें। भारत के परमाणु मिसाइलों की रेंज 250 किलोमीटर से लेकर 5,500 किलोमीटर तक है, जो चीन में घुसकर हमला कर सकते हैं।भारत ने हाल ही में खुद को जमीन, आसमान और समंदर में परमाणु प्रतिरोधक ढांचे को और मज़बूत किया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि

भारत आमतौर पर शांति काल में अपने परमाणु हथियार लॉन्चर से अलग रखता है, लेकिन अब भारत कुछ हथियारों को लॉन्चर के साथ जोड़े रखने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता, ट्रम्प ने ब्रिटेन के एयरोस्पेस पर टैरिफ पूरी तरह हटाए

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को ब्रिटेन पर इम्पोर्ट टैरिफ कम करने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर के साथ हुआ। इस समझौते में ब्रिटेन के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ कम हुए हैं। ब्रिटिश कारों को अमेरिका में 10प्रतिशत टैरिफ के साथ 1 लाख कारों का कोटा मिलेगा, जो अन्य देशों के 25प्रतिशत टैरिफ से कम है। इसके अलावा, ब्रिटेन के एयरोस्पेस पर टैरिफ पूरी तरह हटा दिया गया है। हालांकि, स्टील और एल्यूमीनियम के मुद्दे पर अभी सहमति नहीं बनी है। अमेरिका ब्रिटेन से स्टील और एल्यूमीनियम आयात पर कोटा लगाएगा, लेकिन इसके लिए ब्रिटेन को अपनी आपूर्ति और उत्पादन सुरक्षा साबित करनी होगी।ट्रम्प ने इसे शानदार समझौता बताया, लेकिन गलती से इसे यूरोपीय संघ के साथ समझौता कह दिया, बाद में स्पष्ट किया कि यह ब्रिटेन के साथ है। स्टारमर ने इसे दोनों देशों के लिए मजबूत रिश्तों का प्रतीक बताया। ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि यह समझौता जल्द लागू होगा और दोनों देश 13,000 टन बीफ के व्यापार पर सहमत हुए हैं, लेकिन अमेरिकी इम्पोर्ट को ब्रिटेन के सख्त खाद्य सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा। यह समझौता फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित होने के सात दिन बाद लागू होगा। दोनों देश दवाइयों जैसे अन्य उद्योगों पर भी बेहतर समझौते के लिए काम जारी रखेंगे।

अपने नागरिकों को ईरान से निकालने की तैयारी में ऑस्ट्रेलियाई सरकार

कैनबरा, एजेंसी। ईरान और इजरायल में बढ़ते तनाव के बीच ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ईरान से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) रेडियो को बताया कि सरकार ईरान में उन नागरिकों को निकालने की योजना बना रही है, जो मिडिल-ईस्ट में संघर्ष के बीच देश छोड़ना चाहते हैं। पैट कॉनरॉय ने कहा, इस समय हवाई क्षेत्र बंद हैं, इसलिए विमानों का आवागमन बाधित है, लेकिन हम ऑस्ट्रेलियाई लोगों को निकालने या उन क्षेत्रों के फिर से खुलने पर उन्हें कमर्शियल फ्लाइट्स में सवार होने में मदद करने की योजना बना रहे हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में वर्तमान में मौजूद सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को विदेश डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन अफेयर्स एंड ट्रेड (डीएफएटी) के साथ रजिस्ट्रेशन की सलाह दी गई है। विदेश मामलों के मंत्री पेनी वोंग ने सोमवार को कहा कि 350 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों ने डीएफएटी को ईरान छोड़ने की अपनी इच्छा के बारे में सूचित किया है। 300 नागरिकों ने इजरायल छोड़ने की इच्छा जताई है। अभी अन्य लोगों के रजिस्ट्रेशन करवाने की उम्मीद है। पेनी वोंग ने कहा है कि सरकार लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है।शुक्रवार की सुबह से ही, इजरायल ने तेहरान और ईरान के अन्य क्षेत्रों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इन हमलों में कई शीर्ष सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और नागरिक मारे गए। इसके जवाब में, ईरान ने इजरायल में विभिन्न लक्ष्यों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की एक सीरीज शुरू की है, जिससे कई लोग हताहत हुए हैं। ईरान-इजरायल में तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान को न्यूक्लियर वेपन बनाने से रोकने की चेतावनी देते हुए लोगों को तुरंत तेहरान खाली करने को कह चुके हैं।

ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में इस्राइल, तीन लाख लोगों को तेहरान छोड़ने को कहा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल, ईरान पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में इस्राइल ने तेहरान में रह रहे लोगों से इलाका खाली करने को कहा है। इस्राइल ने मध्य तेहरान में रहने वाले तीन लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया है। गाजा और लेबनान में भी हमले करने से पहले इस्राइली सेना ने ऐसी ही चेतावनी जारी की थी। इससे माना जा रहा है कि इस्राइल मध्य तेहरान में कुछ ठिकानों को निशाना बनाने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में ईरान के लोगों को तेहरान तुरंत खाली करने की चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि डोनाल्ड ट्रंप ईरान-इस्राइल संघर्ष के बढ़ने के चलते एक दिन पहले ही जी7 सम्मलेन से वापस आ रहे हैं। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि इस्राइली हमलों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्ष पीछे चला गया है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार फिलहाल बेहद कमजोर स्थिति में है। ऐसे में ईरान में सत्ता परिवर्तन भी हो सकता है। ईरान इस्राइली हमलों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान की सरकार ने संघर्षविराम की कोशिशें भी तेज कर दी हैं। ईरान ने अरब देशों से अपील की है कि वे अमेरिका से बात कर इस्राइल पर संघर्षविराम के लिए दबाव बनाएं। इस्राइली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफरिन ने सोमवार को कहा कि उनकी सेना ने तेहरान के आसमान पर कब्जा कर लिया है और अब उन्हें तेहरान में हवाई हमले का डर नहीं है।

इजराइल ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की :तेहरान में न्यूज चैनल की बिल्डिंग पर बम गिराए, लाइव शो कर रही एंकर बाल-बाल बची

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए।

घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया। उसके पीछे की स्क्रीन काली हो गई। स्टूडियो मलबे और धुएं से भर गया। एक शख्स अल्लाहु अकबर कहते सुनाई दिया। इजराइल डिफेंस फोर्स ने एक्स पर ईरान पर हमले का एक और वीडियो जारी किया। कैप्शन में बताया कि आज सुबह से इजराइली एयरफोर्स ने मिसाइल लान्चर्स से लदे कई ट्रकों को निशाना बनाया, जो तेहरान की तरफ जा रहे थे।

इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 14 जून को इजराइली सेना ने रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। पिछले चार दिनों के दौरान ईरान में 224 लोग इजराइली हमलों से मारे गए हैं। 1,277 से ज्यादा घायल हैं। अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों की मौत का दावा किया है।

ईरान के हमले में आज 8 इजराइलियों की मौत ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई

कर रहा है। सोमवार सुबह ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है। ईरानी हमलों से इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

इस्राइल का ईरान के सरकारी टीवी के दफ्तर पर हमला, स्टूडियो मलबे में बदला : इस्राइल ने ईरान के सरकारी टीवी चैनल के दफ्तर पर भीषण हमला किया। सोमवार यह हमला तब हुआ जब टीवी चैनल के दफ्तर के स्टूडियो से लाइव प्रसारण चल रहा था। हमले से एक घंटे पहले ही इस्राइल ने तेहरान के लोगों से वह इलाका खाली करने को कहा था जहां टीवी स्टूडियो स्थित हैं।

सरकारी टीवी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान न्यूज नेटवर्क के रिपोर्टर ने कहा कि इस्राइल के हमले केबाद स्टूडियो धूल से भर गया। एंकर सहर इमामी जैसे ही कैमरे के पीछे की स्क्रीन कट गई, वह भागकर कैमरे से दूर चली गईं और लोगों को अल्लाहु अकबर कहते हुए सुना गया। बाद में पहले से रिकॉर्ड किए गए कार्यक्रम के साथ टीवी का प्रसार शुरू किया गया। दूसरे स्टूडियो से लाइव आई एंकर ने कहा कि हमले में कई रिपोर्टरों की मौत हुई है। वहीं, इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्स ने कहा कि टीवी चैनल पर हमारे खिलाफ भड़काऊ प्रसारण किया जा रहा था, इसलिए हमला किया गया।

भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों से तेहरान छोड़ने को कहा : इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। इस बीच ईरान में स्थित भारतीय दूतावास ने तेहरान में रह रहे लोगों को वहां से बाहर निकलने और किसी सुरक्षित जगह पर चले जाने की सलाह दी है। कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी तेहरान में रहने वाले सभी लोगों को तुरंत शहर खाली करने की चेतावनी जारी की थी। इजराइल ने तेहरान पर सोमवार रात कई बार एयरस्ट्राइक की। वहीं, ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव और हाइफा पर बमबारी की। इजराइली क्रू बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग खत्म करने को लेकर कहा कि अयातुल्ला खामेनेई की हत्या से जंग बढ़ेगी नहीं, बल्कि खत्म होगी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

ईरानी हमले के बाद इस्राइल की हाइफा रिफाइनरी सुविधाएं बंद : इस्राइल के हाइफा स्थित बाजान समूह ने कहा कि ईरान के हमले में भाप और बिजली उत्पादन के लिए इस्तेमाल होने वाले एक पावर स्टेशन को भारी नुकसान पहुंचने के बाद सभी रिफाइनरी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। समूह ने कहा कि ईरानी हमले में कंपनी के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। यह रिफाइनरी हाइफा खाड़ी में स्थित है। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से तेहरान छोड़ने की अपील की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी भारतीय नागरिक तुरंत तेहरान छोड़ दें और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने ऐसी किसी भी आशंका से इनकार कर दिया कि वह ईरान के खिलाफ लड़ाई में सीधे तौर पर शामिल होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के प्रवक्ता एलेक्स फीफर ने कहा कि अमेरिका के लड़ाई में शामिल होने की रिपोर्ट सही नहीं हैं।

गाजा में भोजन वितरण केंद्र के पास गोलीबारी, 37 फलस्तीनियों की मौत

गाजा , एजेंसी। गाजा में अमेरिका समर्थित भोजन वितरण केंद्र के पास इस्राइल ने सोमवार को फिर गोलीबारी की। इसमें कम से कम 37 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इस्राइली सैन्य नियंत्रित क्षेत्र से गुजरने के दौरान फलस्तीनियों पर की गई यह हालिया दौर की सबसे भीषण गोलीबारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सैनिकों ने भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में गोलीबारी की। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भोजन केंद्र तक पहुंचने की कोशिश में 33 फलस्तीनी मारे गए। चार अन्य जगह मारे गए। इससे पहले, 11 जून को भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब गाजा में राहत सामग्री और खाना पाने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर इस्राइली सेना ने गोलीबारी की थी। इसमें 36 लोग मारे गए और 207 घायल हो गए थे। इजरायली और अमेरिकी समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन द्वारा संचालित सहायता स्थलों के पास हुई गोलीबारी में अब तक कम से कम 200 से अधिक लोग मारे गए और 1600 से अधिक घायल हो गए।

अकाल के कगार पर गाजा : इस्राइल की नाकाबंदी और सैन्य कार्रवाई ने गाजा को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है। गाजा में इस समय मानवीय संकट चरम पर है। महीनों से जारी इजरायल-हमास युद्ध के चलते इलाके में खाद्य सामग्री, दवाओं और बिजली की भारी किल्लत है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही राहत नहीं पहुंची, तो गाजा में भुखमरी और बीमारी से बड़े पैमाने पर मौतें हो सकती हैं। वहीं, इस्राइल और अमेरिका का कहना है कि उन्होंने नई खाद्य वितरण प्रणाली की शुरुआत हमास को मानवीय सहायता चुराने और उसका उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण में करने से रोकने के लिए की है। जबकि संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि किसी भी व्यवस्थित तरीके से सहायता पहुंचाने का कोई सबूत नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा कि गाजा में इस्राइल फलस्तीनियों पर कहर ढा रहा है।

अमेरिका : दो समूहों के बीच हुए विवाद में आठ महीने के बच्चे सहित तीन की हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य के साल्ट लेक सिटी के उपनगरीय इलाके में रविवार को दो समूहों के बीच विवाद छिड़ गया। वेस्ट वैली सिटी के सेंटेनियल पार्क में चल रहे सालाना कार्निवल वेस्टफेस्ट के दौरान हुए इस विवाद में आठ महीने के बच्चे सहित तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मारे गए लोगों में 41 साल की एक महिला भी शामिल हैं। विवाद में शामिल एक समूह का 18 साल का युवक भी मारा गया।

वहीं, दो किशोर घायल हो गए। वेस्ट वैली सिटी पुलिस विभाग के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार रविवार को रात 9 :20 बजे वेस्टफेस्ट कार्निवल में काम करने वाले अधिकारियों ने दो समूहों को मौखिक रूप से झगड़ा करते हुए देखा। जैसे ही पुलिस ने झगड़े को रोकने की कोशिश की, वैसे ही एक समूह के 16 साल के लड़के ने बंदूक निकाली और दूसरे समूह पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। गोली चलाने वाले लड़के को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया। घायल किशोरों में एक पुरुष और एक महिला दोनों के हाथों पर गोली लगी थी।

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री ने कहा- अहमदाबाद एअर इंडिया हादसे पर गहरा दुख, कठिन समय में यूके-भारत एकजुट

लंदन, एजेंसी। अहमदाबाद एअर इंडिया हादसे पर ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री एंजेला रायनर ने गहरा दुख प्रकट किया है। रायनर ने कहा कि इस कठिन समय में यूके और भारत एकजुट हैं। दुख की इस घड़ी में ब्रिटेन सभी पीड़ित परिवारों का दुख साझा करता है। रायनर ने लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, विमान दुर्घटना से प्रभावित सभी लोग कठिन समय का सामना कर रहे हैं। लंदन स्थित इंडिया हाउस द्वारा आयोजित सर्व-धर्म प्रार्थना के दौरान रायनर, उनके साथी सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। हादसे में मारे गए लोगों और रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल लोगों के प्रयासों की सराहना भी की गई। इस कार्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के आध्यात्मिक लोग मौजूद रहे। हताहतों को पुष्पांजलि भी अर्पित की गई।

डिप्टी पीएम ने कहा, ब्रिटेन पीड़ितों के साथ है : रायनर ने भारतीय उच्चायोग में अपने संबोधन में कहा, पिछले कुछ दिनों में मुझे एक बात सबसे अधिक प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और भारत भले ही दो ऐसे देश हैं जिनके बीच भौगोलिक रूप से बहुत दूरी है, लेकिन वास्तव में हम बहुत करीब हैं। आज हम साथ मिलकर शोक मना रहे हैं। रायनर ने कहा, मैं आज यहां मौजूद सभी लोगों और उच्चायोग से परे सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना

व्यक्त करना चाहती हूं। ब्रिटेन आपके साथ है और आपका समर्थन करना जारी रखेगा। 271 लोगों की मौत, पीछे छूटे कई परिवार ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख होने के साथ-साथ गंभीर सदमे की बात कही। उन्होंने कठिन समय में समर्थन के लिए ब्रिटेन का आभार भी प्रकट किया। दोराईस्वामी ने कहा, इस त्रासदी से हम सभी को एहसास हुआ कि जीवन अचानक समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, हम 271 लोगों की मौत के बाद उनके पीछे छूटे कई परिवारों और दोस्तों के लिए शोक मना रहे हैं। इतने सारे लोगों की जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। पीड़ित परिवार जैसे हालात से जूझ रहे हैं, ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल है कि हम कुछ भी कहें या करें, पीड़ितों को सांत्वना नहीं मिल सकती। एअर इंडिया हादसे के पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार प्रयासरत इन एवरलास्टिंग मेमोरी नाम से आयोजित कार्यक्रम के तहत ब्रिटिश संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ कॉमन्स में भी चर्चा हुई। इसमें विदेश कार्यालय मंत्री हैमिश फाल्कनर ने संसद को बताया कि त्रासदी से प्रभावित ब्रिटिश नागरिकों की सहायता के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है। परिजनों की पीड़ा का उल्लेख ब्रिटेन की संसद में हुआ फाल्कनर ने कहा, ब्रिटेन में लगभग 2 मिलियन भारतीय प्रवासी रहते हैं। गुजराती समुदाय के भी लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। हम इस त्रासदी का दर्द एक साथ महसूस करते हैं। हमारे बीच गहरे व्यक्तिगत संबंध हैं।

बांग्लादेश : यूनुस सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे अवामी लीग के कार्यकर्ता, इस्तीफे की मांग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस को अवैध और फासीवादी काबिज करार देते हुए, अवामी लीग के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ढाका की सड़कों पर विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस के तुरंत इस्तीफे की मांग की, साथ ही पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चल रहे दिखावटी मुकदमों को रद्द करने की भी अपील की। पार्टी के सोशल मीडिया पेज पर साझा किए गए विरोध प्रदर्शन के वीडियो में कई पार्टी कार्यकर्ता हसीना के समर्थन में ढाका की सड़कों पर मार्च करते और बैनर लिए हुए दिखाई दिए, जिन पर लिखा था हसीना वापस आएंगी। अवामी लीग ने अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा, पिछले कुछ महीनों में देश की नजरों में यह स्पष्ट हो गया है कि यूनुस सरकार ने देश के लोकतंत्र को मार डाला है, अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है, शिक्षा को खत्म कर दिया है और न्यायपालिका को सरकार के हाथों की कठपुतली बना दिया है। अवामी लीग इन कठिन समय में लोगों

का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र ताकत है। पार्टी ने कहा, आवामी लीग ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो स्वतंत्रता संग्राम की चेतना में विश्वास करती है, धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करती है और देश के विकास को आगे ले जा सकती है। अन्य लोग सिर्फ राष्ट्रविरोधी साजिश में व्यस्त हैं। लड़ाई शुरू हो चुकी है और अब पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं है। आज का कार्यक्रम सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है; यह एक क्रांति की शुरुआत है। पूरा देश अब इस कार्यक्रम को देख रहा है। आवामी लीग का हर जुलूस एक चिंगारी की तरह है, जो एक दिन आग में फैल जाएगी। पूरे देश में अवैध सरकार के गिरने तक संघर्ष जारी रहेगा। पार्टी ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के लोग लुटेरों, भ्रष्ट, यूनुस सरकार का कुशासन नहीं चाहते हैं। बताया गया कि सोमवार को सड़कों पर हुए विरोध प्रदर्शन ने एक संदेश दिया कि आवामी लीग का मतलब देश को बचाने की ताकत है।

संघर्षविराम चाहता है ईरान, अरब देशों से की अपील- अमेरिका से बात कर इस्राइल पर बनाएं दबाव

तेहरान, एजेंसी। चार दिनों की लड़ाई में ही ईरान को अहसास हो गया है कि युद्ध में सिवाय बर्बादी के और कुछ हासिल नहीं होगा। ऐसे में ईरान ने संघर्षविराम की कोशिशें शुरू कर दी हैं। ईरान की सरकार ने अरब देशों से अपील की है कि वे अमेरिका से बात करें और युद्धविराम के लिए इस्राइल पर दबाव बनाएं।

इस्राइल हमले रोके, तभी होगी बात : ईरान इस्राइल संघर्ष शुरू होने के बाद से ही अरब देशों के नेता और राजनयिक एक दूसरे के संपर्क में हैं और इस संघर्ष को बढ़ने से रोकने की कोशिशों में जुटे हैं। अरब देशों को डर है कि अगर इस संघर्ष को जल्द ही नहीं रोका गया तो यह नियंत्रण से बाहर जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान संघर्षविराम के लिए अपने परमाणु कार्यक्रम से भी समझौता करने के लिए भी तैयार है। कतर, ओमान और सऊदी अरब ने अमेरिका से अपील की है कि वे इस्राइल पर संघर्षविराम के लिए दबाव बनाएं। हालांकि ईरान ने ओमान और कतर से कहा है कि जब तक उस पर हमले होते रहेंगे, तब तक वे समझौते को लेकर बात नहीं करेंगे।

अमेरिका ने भी शुरू की बातचीत की कोशिश : जब इसे लेकर इस्राइल से बात की गई तो इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ताची हानेगबी ने बताया कि अभी इस पर बात करना जल्दबाजी होगी।

आप युद्ध इसलिए शुरू नहीं करते हैं कि तीन दिन बाद ही आप उसे खत्म करने के बारे में सोचने लगें। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पश्चिम एशिया के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ से बात की है और उन्हें ईरान की सरकार के साथ परमाणु समझौते पर बात शुरू करने का निर्देश दिया है। अमेरिका को लगता है कि संघर्ष के चलते ईरान कमजोर स्थिति में है। ऐसे में ट्रंप प्रशासन ने समझौते पर बातचीत की कोशिश शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार ओमान ने संघर्षविराम समझौते का ड्राफ्ट भी तैयार कर लिया है। इसके तहत ईरान को एक से तीन साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकने और उसके बाद ऊर्जा जरूरत के लिए तय मात्रा में यूरेनियम संवर्धन की इजाजत मिले। साथ ही ये भी कहा गया है।

ट्रंप को एनएएसीपी सम्मेलन में नहीं बुलाया गया, 116 वर्षों में पहले ऐसे राष्ट्रपति

वाशिंगटन , एजेंसी। नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल (एनएएसीपी) ने सोमवार को कहा कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने अगले महीने होने वाले सम्मेलन में नहीं बुलाएंगे। यह सम्मेलन उत्तरी कैरोलिना के शार्लोट शहर में होगा। ऐसा पहली बार हुआ है कि 116 साल पुराने नागरिक अधिकार संगठन ने किसी वर्तमान राष्ट्रपति को अपने कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया है।

एनएएसीपी के अध्यक्ष डेरिक जॉनसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने इस कदम की घोषणा की। उन्होंने ट्रंप पर अपने मिशन के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। जॉनसन ने एक बयान में कहा कि इसका राजनीतिक पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। हमारा मिशन नागरिक अधिकारों को आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका मिशन नागरिक अधिकारों को खत्म करना है। व्हाइट हाउस से इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

समूह ने ट्रंप के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए : हाल के महीनों में एनएएसीपी ने ट्रंप के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए हैं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में समूह ने एक मुकदमा दायर किया ताकि शिक्षा विभाग स्कूलों को मिलने वाली फंडिंग न रोके, सिर्फ इसलिए कि उन्होंने विविधता और समानता से जुड़े कार्यक्रम बंद नहीं किए। संगठन का कहना है कि यह अश्वेत छात्रों के लिए बराबरी के अवसर खत्म करने जैसा है।

एनएएसीपी सम्मेलन में भाग लेने वाले पहले राष्ट्रपति थे ट्रूमैन : एनएएसीपी ने एक बयान में कहा, हमारे सम्मेलन में पहले

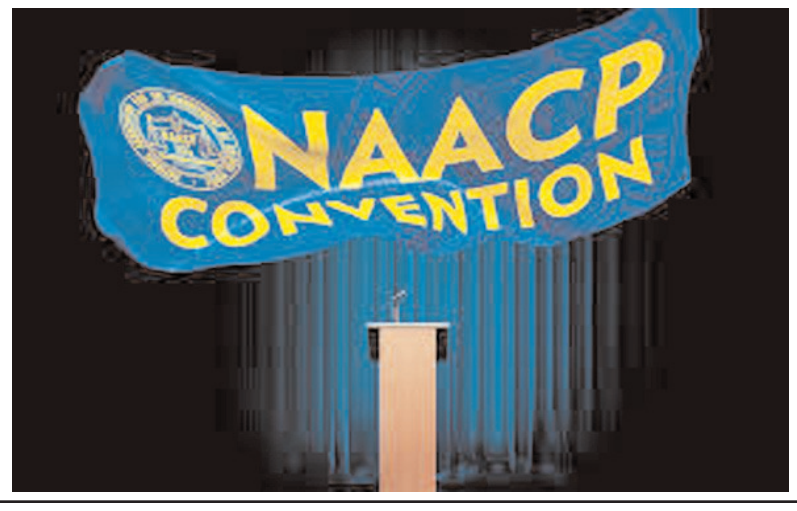

भी रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के नेता शामिल होते रहे हैं। डेमोक्रेट राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन 1947 में एनएएसीपी सम्मेलन में शामिल होने वाले पहले राष्ट्रपति थे। एनएएसीपी अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय महत्वपूर्ण था क्योंकि संगठन ने लंबे समय से ऐसे राष्ट्रपतियों को आमंत्रित किया था, जिनके साथ उसके नीतिगत मतभेद थे।

2006 में सम्मेलन में शामिल हुए थे बुश उल्लेखनीय रूप से, रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश 2006 में सम्मेलन में शामिल हुए, हालांकि उनके प्रशासन की 2005 में आए तूफान कैटरीना से निपटने के तरीके की आलोचना हुई थी, जिसने अश्वेत लोगों को खासा नुकसान पहुंचाया था। रिपब्लिकन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने भी 1981 में सम्मेलन में हिस्सा लिया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

खंडणीखोर कीर्ति पटेल जेल भेजी गई

पुलिस की गिरफ्त में होने के बावजूद बेपरवाही से बोली ”वीडियो धमाकेदार बनाना और पूरे गुजरात में फैलाना”

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ब्लैकमेलिंग और खंडणी (वसूली) के गंभीर मामले में आरोपी कीर्ति पटेल को आखिरकार जेल भेज दिया गया है। वह लगातार अपनी लोकेशन बदलती रही थी ताकि पुलिस की गिरफ्त से बच सके। लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ ही लिया।

गिरफ्तारी के बाद भी कीर्ति पटेल का रवैया बेहद निडर और घमंडी रहा। पुलिस की कस्टडी में होने के बावजूद उसने कैमरे की तरफ देखकर कहा –

यानि ”वीडियो धमाकेदार बनाकर पूरे गुजरात में फैला देना”।

पुलिस ने कीर्ति पटेल को कोर्ट में पेश किया और फिर उसे न्यायिक हिरासत में भेजकर जेल भेजा गया।

पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और इसके नेटवर्क की भी जांच कर रही है, क्योंकि इस गैंग पर कई व्यवसायियों और प्रभावशाली लोगों को फंसाकर उनसे मोटी रकम वसूलने के आरोप हैं।

एक साल पहले सोशल मीडिया और टिकटॉक स्टार कीर्ति पटेल विवादों में आई थी। उस पर एक बिल्डर से दो करोड़ रुपये की वसूली मांगने और सोशल मीडिया पर बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगा था। जून 2024 में कीर्ति पटेल समेत कुल 7 लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज हुई थी। पिछले 10 महीनों से फरार चल रही कीर्ति पटेल को आखिरकार पुलिस ने अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

कापोद्रा पुलिस ने कीर्ति पटेल को सूरत जिला कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजते हुए लाजपुर जेल में रखने का आदेश दिया। इस तरह कीर्ति पटेल की एक बार फिर जेल में एंट्री हुई है।

सोशल मीडिया पर गाली-गलौच और अभद्र भाषा के लिए बदनाम कीर्ति पटेल पुलिस से बचने के लिए गुजरात के अलग-अलग स्थानों पर लोकेशन बदलती फिरती थी। वह बार-बार अपने मोबाइल का IP एड्रेस बदलती थी, साथ ही बार-बार फोन को स्विच ऑफ और ऑन करती रहती थी ताकि ट्रेस न हो सके।

कीर्ति पटेल के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आरोप दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, हनीट्रैप, खंडणी (वसूली), और ज़मीन पर कब्जा (लेण्ड ग्रैबिंग) जैसे अपराध शामिल हैं।

वीडियो बनाओ, टिक-टॉक पर डालो– कहते हुए मुस्कुराती रही कीर्ति

गौरतलब है कि जब पुलिस कीर्ति पटेल को लेकर आ रही थी, तब भी वह बेफिक्र होकर मुस्कुरा रही थी। उसकी गिरफ्तारी के बाद भी उसके तेवर कम नहीं हुए थे। पुलिस की गाड़ी में बैठते समय उसने खुलेआम कहा – ”वीडियो टिक-टॉक बनाओ और पूरे गुजरात में वायरल कर दो।” और यह कहते-कहते वह लगातार हँसती रही।

कीर्ति पटेल और विजय सवानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले वजू कात्रोड़िया और विजय सवानी के बीच पहले से एक प्रॉपर्टी के लेन-देन को लेकर कोर्ट में केस चल रहा था। यह मामला 2024 में कोर्ट की सुनवाई के लिए बोर्ड पर आने वाला था। ऐसे में विजय सवानी अपने साथियों के साथ मिलकर वजू कात्रोड़िया से जबरदस्ती पैसे वसूलना चाहता था।

इसी उद्देश्य से विजय सवानी ने कीर्ति पटेल और उसके अन्य साथियों के साथ मिलकर वजू कात्रोड़िया को सोशल मीडिया पर बदनाम करने की साजिश रची थी।

वजू कात्रोड़िया और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर लाइव आकर दी थी गालियाँ

कीर्ति पटेल और विजय सवानी ने वजू कात्रोड़िया की तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर रील्स अपलोड की थीं। इसके अलावा, कीर्ति पटेल ने शिकायतकर्ता वजू कात्रोड़िया और उसके परिवार को सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपशब्द कहे और बदनाम किया। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकियाँ भी दी गईं। कीर्ति पटेल और उसके अन्य साथियों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की शिकायत वजू कात्रोड़िया ने कपोद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। साथ ही, बिल्डर से 2 करोड़ रुपये की फिरौती माँगने का भी मामला दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता ने कीर्ति पटेल और अन्य आरोपियों की पूरी गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दी थी।

नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश किया, फोटो-वीडियो लेकर मांगी 2 करोड़ की फिरौती

इस मामले में वजू कात्रोड़िया को समझौता करने के बहाने सिल्वर फार्म (कोस्माडी पाटिया) बुलाया गया था। वहाँ जानवी उर्फ मनीषा गोस्वामी, जाकिर, कीर्ति पटेल और विजय सवानी ने उन्हें ठंडे पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद उनका फोटो और वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया गया। आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उन्होंने 2 करोड़ रुपये नहीं दिए, तो ये वीडियो और फोटो इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल कर दिए जाएंगे, जिससे उनकी बदनामी होगी।

वजू कात्रोड़िया द्वारा पैसे न देने पर, विजय सवानी और कीर्ति पटेल ने सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बिल्डर वजू कात्रोड़िया की बेटियों के साथ बलात्कार के झूठे आरोप और उनकी पुरानी पत्नी की तस्वीरें किसी तरह प्राप्त कर, उस पर झूठी और भ्रामक स्टोरीज़ पोस्ट कीं। इन माध्यमों से उन्हें फँसाने और बदनाम करने की धमकी दी गई। इस पूरे मामले में वजू कात्रोड़िया ने कपोद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके आधार पर 2024 में विजय सवानी को गिरफ्तार किया गया था और कीर्ति पटेल सहित अन्य आरोपियों को वॉन्टेड घोषित किया गया था। अब कपोद्रा पुलिस ने कीर्ति पटेल को भी गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि 2 जून 2024 को कपोद्रा पुलिस स्टेशन में कीर्ति पटेल सहित पांच से अधिक लोगों के खिलाफ फिरौती समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। वह पिछले 10 महीनों से फरार चल रही थी। पुलिस से बचने के लिए वह लगातार अपने फोन का आईपी एड्रेस बदलती रहती थी और गुजरात के अलग-अलग शहरों में लोकेशन बदलती थी। इसके अलावा वह मोबाइल नंबर भी बदलती रहती थी, लेकिन फोन वही रखती थी। वह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती थी और फोन को लगातार ऑन-ऑफ करती थी।

कीर्ति पटेल के खिलाफ कोर्ट से वॉरंट भी जारी हुआ था।

कुणाल हत्याकांड

SK मोबाइल से अपहरण कर उठा ले गए गलोंडा में खून से लथपथ मिला शव

परिजनों का रो रो कर बुरा हाल : पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव,पूरे शहर में आक्रोश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सिलवासा: अथाल स्थित एक ड्यून टेप कम्पनी में भंगार चोरी की शिकायत करने वाले युवक कुणाल की रहस्यमयी परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। मृतक कुणाल उर्फ जानकाई नाथ प्रसाद लंबे समय से उक्त कम्पनी में हो रही भंगार चोरी का भंडाफोड़ करने की कोशिश कर रहा था, जिसके चलते उसे लगातार धमकियाँ मिल रही थीं।

परिजनों और सूत्रों के अनुसार, कुणाल के पास कम्पनी के भीतर स्टाफ की मिलीभगत से हो रही चोरी के पुख्ता प्रमाण थे, जिन्हें वह कुछ माह पूर्व मुंबई हेड ऑफिस तक लेकर भी गया था। इसी कारण कम्पनी से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोग उसके खिलाफ हो गए थे और लम्बे समय से विवाद चल रहा था, ऐसा आरोप मृतक के परिजन लगा रहे हैं।

पुलिस स्टेशन में मिली थी जान से मारने की धमकी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व सिलवासा पुलिस स्टेशन में परवेज शेख, विजय चौहान और मृतक कुणाल को हाजरी के लिए बुलाया गया था। वहीं पर अश्विन गर्डे, करण सिंह, प्रकाश महले, मिशाल देसाई, ओमप्रकाश सिंह उर्फ बंटी ठाकोर और अश्विन गर्डे के एक गनमैन ने थाने के अंदर ही इन लोगों को जान से मारने की

ड्यून टेप कम्पनी में भंगार घोटाले का खुलासा करने वाले की जान गई? पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

परिजनों ने पुलिस पर भी लगाए गंभीर आरोप, शिकायत लेने मे की देरी, मा बाप का एकलौता था, 6 माह पूर्व ही हुई थी शादी

धमकी दी और गाली-गलौच की। इस घटना के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दुकान से उठाकर ले गए बदमाश गंभीर बात यह है कि हत्या से कुछ समय पहले, शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच, आमली स्थित स्काय मोबाइल नामक दुकान से कुणाल को करीब 20 से 25 लोग दो रिक्शा और एक फोर व्हीलर में भरकर जबरन उठाकर ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों की भीड़ जमा होने से पहले ही कुणाल को गाड़ी में डालकर रवाना कर दिया गया।

कुणाल की पत्नी और उसके सहयोगी तुरंत सिलवासा पुलिस स्टेशन पहुंचे लेकिन परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने तत्काल शिकायत दर्ज करने में टालमटोल की।

खून से लथपथ मिला शव कुछ समय बाद खबर आई कि गलोंडा क्षेत्र के शिवम ढाबा के पास नहर के किनारे खेत में कुणाल का शव खून से लथपथ हालत में मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एम्बुलेंस से सिलवासा सिविल अस्पताल भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

परिजन और साथी सहमे, पुलिस पर गंभीर आरोप

हत्या की इस जघन्य वारदात के बाद मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, विजय चौहान और परवेज शेख ने भी अपनी जान को खतरा बताया है। उन्होंने आशंका जताई कि कुणाल की तरह उनकी भी हत्या कर दी जा सकती है।

इस पूरे मामले ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते पुलिस चेत जाती और धमकी की शिकायत पर सख्त कार्रवाई होती, तो शायद कुणाल की जान बचाई जा सकती थी।

कुख्यात सजु कोठारी के खिलाफ एक और नई शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कुख्यात अपराधी मोहम्मद साजिद उर्फ़ साजु उर्फ़ सज्जु गुलाम मोहम्मद कोठारी के खिलाफ अठवा पुलिस स्टेशन में एक और गंभीर शिकायत दर्ज की गई है। फिलहाल वह PASA (Prevention of Anti-Social Activities Act) के तहत भुज

जेल में बंद है। अब उसके खिलाफ जानलेवा हमले की कोशिश और ज़बरदस्ती वसूली (खंडणी) की नई शिकायत दर्ज हुई है। यह शिकायत उसके लंबे और भयावह आपराधिक इतिहास में एक और अध्याय जोड़ती है।

शिकायतकर्ता निशार अब्दुल रहीम शेख (उम्र 56), जो ज़मीन खरीद-फरोख्त का काम करते हैं और सूरत के चौकबाजार स्थित रिवरव्यू सोसाइटी में रहते हैं, उन्होंने बताया कि जनवरी 2021 में साजिद कोठारी के साथ रांदेर गोराट रोड पर स्थित एक ज़मीन का सौदा 11 करोड़ में हुआ था। शुरुआत में उन्होंने टोकन के रूप में 1.25 करोड़ साजिद को दिए थे। परंतु ज़मीन के टाइटल क्लीयर नहीं थे और उस पर पहले से दो-तीन बिक्री दस्तावेज (साटाखत) बने हुए थे। इसके बावजूद साजिद ने टाइटल क्लीयर करवाने का झूठा वादा किया और पैसे वापस नहीं किए। उल्टा, उसने शिकायतकर्ता से जबरदस्ती 2 करोड़ और मांग लिए, और पैसे न देने पर “मारकर लाश गिरा दूंगा” जैसी धमकी दी। यह घटना नानपुरा के जमरुखगली इलाके में घटित हुई।

नानपुरा निवासी सज्जु कोठारी कई गंभीर अपराधों में लिप्त रहा है। हाल ही में उसे GUJCTOC (Gujarat Control of Terrorism and Organised Crime) एक्ट के तहत हिरासत में लेकर भुज की विशेष जेल भेजा गया है। उसके खिलाफ GUJCTOC के तहत दो मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उसके खिलाफ हत्या की कोशिश, अपहरण, खंडणी, दंगा, मारपीट, धमकी, आर्म्स एक्ट, शराब, जुआ, सूदखोरी जैसे कुल 36 मामले दर्ज हैं। वह पहले भी 6 बार PASA के तहत गिरफ्तार हो चुका है और एक बार शहर बदर (हदपार) भी किया गया है।

सूरत कडोदरा हाईवे से गांजा के साथ एक शख्स पकड़ा गया

उत्तर प्रदेश के व्यक्ति के पास से 885 ग्राम गांजा ज़ब्त, पिछले 6 महीनों से कर रहा था बिक्री

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कडोदरा हाईवे पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश का निवासी है और उसके पास से कुल 885 ग्राम गांजा ज़ब्त किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह पिछले 6 महीनों से गांजा बेचने का काम कर रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत ग्रामीण पुलिस को नारकोटिक्स के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। स्क्वॉड शाखा ने कडोदरा गांव की सीमा में नेशनल हाईवे-48 से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुरज रामसुमेर सिंह (उम्र 25 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पलसाणा में रह रहा है और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर का निवासी है। उसके पास से कुल 885 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

पूछताछ में पता चला है कि आरोपी पिछले 6 महीनों से गांजे की बिक्री कर रहा था। दो दिन पहले उसने सूरत शहर के अश्विनीकुमार क्षेत्र की फुलवाड़ी से रवि नामक व्यक्ति से 2 किलो गांजा खरीदा था।

पुलिस ने कुल 9,070 का मादक पदार्थ और अन्य सामान जब्त किया है। गांजा सप्लाई करने वाला रवि अभी भी फरार है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीरसिंह और DIG हितेष जोयसार के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस इंस्पेक्टर बी.जी. ईशराणी और PSI जे.के. राव के नेतृत्व में SOG टीम ने यह सफलता हासिल की।

देसाई वाड़ के पास खड्डे से पलटी ऑटो, ड्राइवर के दोनों पैरों की हड्डियाँ टूटीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी,वापी के रामा रेसिडेंसी के पास देसाई वाड़ क्षेत्र में सड़क पर बने गहरे खड्डे के कारण एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ऑटो चालक को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों द्वारा घायल चालक को तुरंत जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक के दोनों पैरों की हड्डियाँ टूट गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही चालक की बेटी का फोन आया, जिसमें उन्होंने बताया कि उसके पिता को गंभीर चोटें आई हैं और पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है।

स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद नगर प्रशासन पर नाराज़गी जाहिर की और मांग की कि सड़कों की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है।

इस हादसे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शहर की जर्जर सड़कें किसी भी वक्त जानलेवा साबित हो सकती हैं।

फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर उसे बदनाम करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी में एक महिला का फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर उसे बदनाम करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक 21 वर्षीय युवक है, जो शिकायतकर्ता महिला के घर पर काम करने वाले एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति का बेटा है।

नवसारी साइबर क्राइम पुलिस ने विकृत मानसिकता वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने एक महिला के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर उसे बदनाम करने की कोशिश की थी। यह युवक महिला के परिचितों को वीडियो कॉल कर अश्लील हरकतें करता था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रहित दीपकभाई गोस्वामी (उम्र 21) के रूप में हुई है, जो वांसदा तालुका के चंपावाड़ी फलिया में रहता है और राजमिस्त्री का काम करता है। आरोपी के पिता शिकायतकर्ता महिला के घर में काम करते थे, उसी दौरान आरोपी की महिला से पहचान हुई थी।

शिकायतकर्ता दंपती ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी पत्नी के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर उनके परिचितों को वीडियो कॉल कर रहा है और अश्लील हरकतें कर रहा है।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 78(2) और 79, तथा आईटी एक्ट 2000 की धारा 66(C), 67 और 67(A) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस इंस्पेक्टर यू.एल. मोदी के मार्गदर्शन में PSI एम.एच. शिणोल और वायरलेस PSI एम.एम. शेख की टीम ने तकनीकी और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ अब आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।